दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार

प्रदेश के ताजा समाचार

अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत

© 7014997449, 9636058201

Email : deshkadarpannews@gmail.com

web : www.deshkadarpannews.co

वर्ष-5, अंक:175

जयपुर, रविवार, 07 सितम्बर 2025

मूल्य : 5.00 पेज:

देश का Darpan News TV

FW FASTWAY

Comming Soon

काम करने के लिए सम्पर्क करें

इंदौर हनीमून मर्डर केस- सोनम और राज कुशवाहा सहित 5 आरोपियों के खिलाफ 790 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

एजेंसी

इंदौर । इंदौर के बहुचर्चित हनीमून मर्डर केस में मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शाम अदालत में 790 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। यह मामला शहर के जाने-माने बिजनेसमैन राजा रघुवंशी की हत्या से जुड़ा है, जिसने पूरे देश में सनसनी मचा दी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चार्जशीट में हत्या की साजिश का मास्टरमाइंड राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा को बताया गया है। इस साजिश में तीन अन्य आरोपियों आकाश राजपूत, आनंद कुर्मी और विशाल सिंह चौहान ने भी अहम भूमिका निभाई। इन पांचों पर भारतीय दंड संहिता की हत्या, सबूत मिटाने और आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वर्तमान में सभी पांचों आरोपी न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड की योजना बेहद सावधानी से बनाई गई थी। चार्जशीट में सोनम और राज कुशवाहा की नजदीकियों को हत्या का मुख्य मकसद बताया गया है, जबकि अन्य तीन आरोपियों ने इस साजिश को अंजाम देने में उनकी मदद की। जांच के दौरान पुलिस ने कई सबूत जुटाए, जिनमें कॉल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और गवाहों के बयान शामिल हैं। पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि इस मामले में तीन और सह-आरोपियों, प्रॉपर्टी डीलर सिलोमे जेम्स, बिल्डिंग मालिक

लोकेन्द्र तोमर और सिक्योरिटी गार्ड बलवीर आहिरवार के खिलाफ जल्द ही सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इन पर सबूत नष्ट करने और छिपाने का आरोप है। यह हत्याकांड उस समय सुर्खियों में आया था, जब राजा रघुवंशी की शादी के कुछ ही दिनों बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले ने न केवल इंदौर, बल्कि पूरे देश में लोगों को झकझोर दिया। पुलिस का दावा है कि चार्जशीट में पुख्ता सबूतों के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ मजबूत केस बनाया गया है। अब अदालत में इस मामले की सुनवाई जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

कांग्रेस बिहार के लोगों को हीन दृष्टि से देखती है : अमित मालवीय

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर बिहार की जनता का अपमान करने का गंभीर आरोप लगाया। मालवीय ने कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस बिहार के लोगों को हीन दृष्टि से देखती है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने सुप्रिया श्रीनेत के बयान का वीडियो भी शेयर किया।

अमित मालवीय ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'बिहार के लोग मेहनतकश हैं, ईमानदार हैं और अपने पसीने से इस देश की मिट्टी को सींचते हैं। लेकिन कांग्रेस और उसके नेताओं की नजर में वे गंदे कपड़े पहनने वाले, इन्फेक्शन

फैलाने वाले और एक अस्पृश्य समाज की तरह हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने राहुल गांधी के त्याग का बखान करते हुए कहा कि वे बिना किसी डर के बिहार के लोगों से हाथ मिला रहे थे, गले लगा रहे थे और माथा चूम रहे थे। जरा सोचिए- बिहार की जनता को किस हीन दृष्टि से देखा जा रहा है! उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या जनता से मिलना और गले लगना किसी एहसान की तरह बताया जाएगा? कांग्रेस को याद रखना चाहिए- लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। नेताओं को जनता के समर्थन और वोट की ज़रूरत है, न कि जनता को नेताओं की। यह सामंती मानसिकता, यह रजवाड़ों वाली सोच अब खत्म होनी चाहिए। बिहार को न राहुल गांधी जैसे युवराज चाहिए और न तेजस्वी जैसे वारिस, जो जनता से मिलने के बाद उनकी ही बेइज्जती करें, उनके जीवन स्तर का मजाक उड़ाएं। अमित मालवीय ने आगे लिखा, 'बिहार की जनता सम्मान की हकदार है, दया की नहीं।' वीडियो में सुप्रिया श्रीनेत को यह कहते सुना गया कि बिहार में लोग पसीने से तरबतर हैं, उनके कपड़े साफ नहीं दिख रहे हैं, फिर भी राहुल गांधी उनसे गले मिल रहे हैं और उनका माथा चूम रहे हैं।

भारत अमेरिका के साथ अपने मित्रता को महत्व देता है : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत अमेरिका के साथ अपनी मित्रता को बहुत ज्यादा महत्व देता है। हम अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ के चलते दोनों देशों के रिश्ते में हाल के समय में कुछ दूरियां देखने को मिली हैं। विदेश मंत्री ने शनिवार को एक बयान में कहा कि

प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके हमेशा से बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, लेकिन मुद्दा यह है कि हम अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए हैं और इस समय वे इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकते। उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों पर एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व की प्रशंसा की थी और उनके साथ अपने मित्रता को बनाए रखने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच एक विशेष संबंध है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

मुंबई में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाला नोएडा से गिरफ्तार

नोएडा। मुंबई में अनंत चतुर्दशी के दिन 400 किग्रा आरडीएक्स से जगह-जगह बम धमाका करने की धमकी देने वाले अश्विनी नाम के एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश और मुंबई पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई के तहत शनिवार को नोयडा से गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस उसे लेकर महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गई। 04 सितंबर को मुंबई पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर बम ब्लास्ट की धमकी वाला मैसेज भेजा गया था जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को एक जिहादी संगठन का सदस्य बताया था। आरोपित को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को आज पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने 25 हजार रुपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित अश्विनी कुमार सुप्रा मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। पिछले पांच सालों से वह नोएडा में रह रहा था। अश्विनी खुद को ज्योतिषी बताता था, लेकिन उसकी करतूत ने उसके इस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अश्विनी ने धमकी में कहा था कि कई गाड़ियों में बम रखे हैं। इनमें 400 किलो आरडीएक्स का इस्तेमाल होगा। उसने खुद को पाकिस्तान के जिहादी संगठन 'लश्कर-ए-जिहादी' का सदस्य बताते हुए दावा किया कि 14 आतंकी शहर में घुस चुके हैं। उसने यह भी कहा कि 34 गाड़ियों में 34 'ह्यूमन बम' लगाए गए हैं।

भगवंत मान को हुआ इलेक्ट्रोलाइटस डिसबैलेंस, हालत में सुधार

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की तबीयत में सुधार है लेकिन अभी वह अस्पताल में ही हैं। मुख्यमंत्री को शुक्रवार रात मोहाली के फोर्टिस हार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान 03 सितंबर को पंजाब दौरे पर थे, जहां उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मीडिया में दावा किया कि भगवंत मान बिना कुछ खाए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे थे। इसके बाद 04 सितंबर को सीएम आवास पर ही उनका इलाज किया गया। 05 सितंबर को मंत्रिमंडल की बैठक रद्द कर दी गई। इस बीच शनिवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने भगवंत मान से मुलाकात करके उनका हालचाल जाना। पार्टी नेताओं ने भगवंत मान का इलाज कर रहे डाक्टरों से भी जानकारी ली। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि भगवंत मान का इलेक्ट्रोलाइटस डिसबैलेंस हुआ था।

चिंतपूर्णी-धर्मशाला नेशनल हाईवे पर हादसा, एम्बुलेंस खाई में गिरी

3 की मौत, 2 घायल

एजेंसी

होशियारपुर। चिंतपूर्णी-धर्मशाला नेशनल हाईवे पर मांगूवाल बैरियर के पास शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि एक दर्दनाक हादसा हो गया। हिमाचल प्रदेश के टांडा मेडिकल कॉलेज से एक मरीज को लेकर पंजाब के लुधियाना डीएमसी अस्पताल जा रही एम्बुलेंस खाई में गिर गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, हादसा देर रात 3 बजे हुआ। एम्बुलेंस में कुल पांच लोग सवार थे। मरीज को हार्ट अटैक की शिकायत के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज से लुधियाना के डीएमसी अस्पताल रेफर किया गया था। मांगूवाल बैरियर के पास

सड़क का कुछ हिस्सा खिसक गया था, जिसके कारण वहां बैरिकेडिंग की गई थी। बताया जा रहा है कि रात के अंधेरे और संभवतः सड़क की खराब स्थिति के कारण ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और एम्बुलेंस गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। जांच अधिकारी जसवीर सिंह ने बताया, 'हमें सुबह साढ़े तीन से चार बजे के बीच इस घटना की जानकारी मिली। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। हम हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि मरीज को हार्ट अटैक के बाद बेहतर इलाज के लिए लुधियाना ले जाया जा रहा था। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की वजहों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट : अगले 48 घंटों में बाढ़ और जलभराव का खतरा

कई जिलों में स्कूल बंद

एजेंसी

जयपुर । अगले दो दिनों में राजस्थान के कई हिस्सों में जलभराव, यातायात प्रभावित होने और निचले इलाकों में पानी भरने की स्थिति बन सकती है। आगामी 48 घंटों के लिए मौसम विभाग ने भारी से अति भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। एहतियातन अजमेर, बूंदी, उदयपुर और अलवर जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अब और अधिक तीव्र होकर 'वेल मार्क्ड लो प्रेशर' एरिया में बदल चुका है, जो वर्तमान में उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और उससे सटे पूर्वी राजस्थान पर केंद्रित है। यह प्रणाली अगले 48 घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगी और 7 सितंबर की सुबह तक यह दक्षिणी राजस्थान पर एक कम दबाव क्षेत्र के रूप में विकसित हो सकती है। इस मौसमी सिस्टम के असर से उदयपुर, कोटा

और जोधपुर संभाग के कई हिस्सों में अगले 3-4 दिनों तक भारी से अति भारी वर्षा की संभावना है। उदयपुर संभाग के जिलों, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही और राजसमंद में कहीं-कहीं अत्यंत भारी वर्षा भी हो सकती है, जिससे बाढ़ जैसी स्थितियां बन सकती हैं। कोटा और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी खतरे की घंटी बज चुकी है। इसके अलावा झालावाड़, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में भी भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा भरतपुर, जयपुर और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश का दौर चलेगा। जयपुर संभाग में शनिवार को दिनभर बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर गर्जना व बिजली गिरने के साथ बारिश हो सकती है। इससे पहले, मौसम विभाग ने शुक्रवार को पिछले 24 घंटे का हाल बताया था। पूर्वी राजस्थान के कई हिस्सों में मेघगर्जना के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हुई, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा दर्ज की गई। पश्चिमी राजस्थान में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में सर्वाधिक वर्षा बांसवाड़ा जिले के सल्लोपाट में 123 मिमी दर्ज की गई, जबकि सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 37.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान पाली में 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लाल किला परिसर से सोने-हीरे जड़ा करोड़ों का कलश चोरी, संदिग्ध की पहचान

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परिसर में एक बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई है। एक जैन धार्मिक आयोजन के दौरान लाल किला परिसर से लगभग एक करोड़ रुपए की कीमत का कलश चोरी हो गया। जानकारी के अनुसार, यह कलश 760 ग्राम सोने से बना है, जिसमें 150 ग्राम हीरे और पन्ना जड़े हुए थे। कारोबारी सुधीर जैन रोजाना पूजा के लिए इस कलश को लाल किला परिसर में लाते थे। यह चोरी बुधवार को उस समय हुई। इसी कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। पुलिस के अनुसार, स्वागत की अफरातफरी के बीच मंच से कलश गायब हो गया। दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की है कि सीसीटीवी

फुटेज में एक संदिग्ध की गतिविधियां दर्ज हुई हैं। अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान कर ली है और जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना जताई है।

कार्यक्रम के आयोजक पुनीत जैन ने मीडिया को बताया कि बुधवार को चोरी हुई थी। पूजा के बाद जब सुधीर जैन उठकर आए, तब पता चला कि उनका बैग गायब हो गया है। बैग में कलश और पूजा से संबंधित सामान था। सीसीटीवी पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अपनी तरफ से प्रयास में लगी हुई है। कलश चोरी करने वाले संदिग्ध को लेकर पुनीत जैन ने दावा किया कि उसने पहले भी तीन मंदिरों को टारगेट किया था, जिसमें जैन लाल मंदिर भी है। जैन समुदाय का यह धार्मिक आयोजन लाल किला परिसर में 15 अगस्त से चल रहा है और 9 सितंबर तक जारी रहेगा। यह घटना इस प्रतिष्ठित स्मारक में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।

यह पहली बार नहीं है, जब लाल किले में सुरक्षा चूक की खबर सामने आई है। इससे पहले, स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा अभ्यास के दौरान लगाए गए एक नकली बम का पता लगाने में विफल रहने के कारण कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल समेत दिल्ली पुलिस के 7 कर्मियों को निलंबित कर दिया गया था। अधिकारियों ने 15 अगस्त के समारोह से पहले दिल्ली भर में सुरक्षा कड़ी कर दी थी और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई अभ्यास किए थे।

अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले का मास्टरमाइंड सरणजीत उर्फ सनी बिहार के गयाजी से गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले के मास्टरमाइंड खालिस्तानी सरणजीत उर्फ सनी को देर रात बिहार के गयाजी से गिरफ्तार किया है। लंबे समय से फरार चल रहा सरणजीत अपनी पहचान छिपा कर इन दिनों बिहार में रह रहा था। एनआईए की टीम को इनपुट मिलने के बाद देर रात छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया। एनआईए की टीम को पिछले दिनों सरणजीत के बिहार में सक्रिय होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद से टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। शुक्रवार देर रात जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के पास नेशनल हाईवे पर एनआईए की टीम ने छापेमारी कर सरणजीत को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के समय शेरघाटी पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। गिरफ्तारी के बाद एनआईए की टीम सरणजीत को लेकर सुबह गयाजी से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गई। शेरघाटी थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि सरणजीत को गिरफ्तार कर एनआईए की टीम उसे लेकर आज सुबह चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गई। चंडीगढ़ में एनआईए उससे पूछताछ करेगी।

महिला अधिकारी को डांटने वाला वीडियो वायरल होने पर केसी वेणुगोपाल ने अजित पवार की आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर तीखा हमला बोला और उन पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब एक वायरल वीडियो में अजित पवार को एक महिला अधिकारी के साथ कथित तौर पर डांटते हुए सुना गया।

केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अवैध रेत खनन पर नकेल कसने की अपनी जिम्मेदारी निभा रही आईपीएस अंजना कृष्णा से जिस अहंकारी लहजे में बात की, उससे पता चलता है कि सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्य अपनी ताकत के नशे में कितने चूर हैं। उन्होंने आगे

कहा, यह इस बात का एक सटीक उदाहरण है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों का अहंकारी रवैया कैसे नीचे तक फैल जाता है। भ्रष्ट गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए एक अधिकारी की सराहना करने के बजाय अजित पवार ने उसे फटकार लगाना और उसके प्रयासों में बाधा डालना उचित समझा। केसी वेणुगोपाल ने कहा, उनकी (अजित पवार) सफाई भी सिर्फ 'छवि बचाने की कोशिश' है। उन्होंने अपने असभ्य और अनुचित व्यवहार के लिए माफी तक नहीं मांगी है। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें अजित पवार और महिला पुलिस अधिकारी अंजना कृष्णा के बीच तीखी बातचीत होती दिख रही है। वीडियो में पवार एक स्थानीय एनसीपी कार्यकर्ता के फोन से अधिकारी को कॉल कर अवैध खनन पर कार्रवाई रोकने का निर्देश देते नजर आए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सकारात्मक रुख को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के सकारात्मक रुख को सराहा है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर आज कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावना और दोनों देशों के संबंधों का सकारात्मक मूल्यांकन प्रशंसनीय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ''राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की वह दिल से सराहना और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक एवं वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।''इससे पहले प्रसारित एक खबर के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका के रिश्ते को बहुत खास

संबंध बताया। उन्होंने खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत और अमेरिका के रिश्तों को लेकर किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है।

हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें इस वक्त प्रधानमंत्री मोदी के कुछ कदम पसंद नहीं आ रहे हैं। इसके बावजूद दोनों देशों के रिश्तों में कोई दरार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने के लिए हमेशा तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि मोदी एक महान प्रधानमंत्री हैं। बस इस वक्त जो वो कर रहे हैं वह मुझे पसंद नहीं, लेकिन भारत-अमेरिका का रिश्ता बहुत खास है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जमैका लेबर पार्टी के नेता डॉ. होलनेस को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जमैका लेबर पार्टी के नेता डॉ. एंड्रयू होलनेस को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने जमैका के संसदीय चुनाव में जमैका लेबर पार्टी की लगातार तीसरी बार जीत पर प्रसन्नता जताई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा,''मैं भारत-जमैका मैत्री संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने तथा दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने की आशा करता हूं।''

ग्राम कचहरी सचिवों ने निकाला आक्रोश मार्च

सरकार के सौतेलेपन रवैए के विरुद्ध ग्राम कचहरी सचिवों ने निकाला आक्रोश मार्च। सम्मानजनक मानदेय की मांग पूरी होनेतक जारी रहेगा आंदोलन।

ग्राम कचहरी सचिवों को दस वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद भी बिहार सरकार के द्वारा महज तीन हजार रुपये प्रतिमाह की मानदेय में वृद्धि किये जाने के फैसले से आक्रोशित प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कचहरी सचिवों ने सरकार के निर्णय की निंदा करते हुए प्रखंड मुख्यालय परिसर से आक्रोश मार्च निकाल कर पूरे बाजार का भ्रमण किया। इस दौरान बिहार कैबिनेट के फैसले की प्रतियां फाड़कर रोष प्रदर्शन किया गया तथा बिहार सरकार सुनो गुहार मानदेय कर दो तीस हजार के नारे बुलंद की । आक्रोश मार्च के समापन पर ग्राम कचहरी सचिवों का एक शिष्टमंडल बीडीओ को अपने मांगों का ज्ञापन सौंपा । आक्रोश मार्च का नेतृत्व ग्राम कचहरी सचिव संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुनील पासवान ,पंच सरपंच संघ के अरविंद कुमार तथा न्यायमित्र सुनिल कुमार कुशवाहा ने संयुक्त रुप से किया। आक्रोश मार्च प्रखंड के सभी ग्राम कचहरियों से जनप्रतिनिधि एवं कर्मी शामिल थे। इन लोगों के द्वारा कहा गया कि विगत दस वर्षों से लगातार बिहार सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों एवं समाचारपत्रों के माध्यम से मानदेय में दोगुना या उससे अधिक वृद्धि की खबरें मंत्री एवं मुख्यमंत्री के स्तर से आती रही पर मंगलवार को महज तीन हजार रुपये की वृद्धि करना महाधोखा है।संघ इसकी घोर निंदा करते हुए ग्राम कचहरी सचिव पद की गरिमा एवं कार्यभार तथा मंहगाई वृद्धि के मद्देनजर तीस हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग करता है। मांगें नही पुरी होने तक सड़क पर ही नहीं विधानसभा चुनाव में भी पूरा ग्राम कचहरी परिवार सरकार के विरुद्ध मतदान करेंगे । कहा गया कि अबतक ग्राम कचहरी एवं पुस्तकालय संचालन के कार्यों के अलावे सरकार के सभी महत्वपूर्ण कार्य जैसे चुनाव,जनगणना,आयुष्मान अभियान, राजस्व महा अभियान एवं अन्य सभी महत्वाकांक्षी कार्य जी जान से करते आ रहे हैं। पर अभी जबतक समुचित मानदेय वृद्धि नहीं होगी हम सभी अन्य प्रतिनियुक्तियों पर कार्य का बहिष्कार जारी रखेंगे और जनहित को होनेवाले असुविधा के लिए बिहार सरकार जवाबदेह होगी। जिलाध्यक्ष कुमार गौरव ने बताया कि मांगे पूरी होने तक राज्य संघ द्वारा चरणबद्ध आंदोलन जारी रखी जाएगी। इनके आक्रोश मार्च को देखकर समाज के हर व्यक्ति का यही कहना था कि यह सरकार का घोर अन्याय है और सरकार को यथाशीघ्र इनके मानदेय वृद्धि पर पुनर्विचार करना चाहिए।

बाजरे के खेत में पेड़ से लटकी लाश मिली जांच में जुटी पुलिस

देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया हलेना
नदबई (भरतपुर) लालचाह रोड स्थित एक बाजरे के खेत में शनिवार को ग्रामीणों ने पेड़ से लटका एक व्यक्ति का शव देखा तो क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों ने तुरंत नदबई पुलिस को सूचना दी। शव करीब 4 से 5 दिन पुराना बताया जा रहा है। सूचना पर सीओ अमर सिंह राठौड़, थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह पुलिस जाप्ता के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष प्रतीत हो रही है और उसने पेंट व शर्ट पहन रखी थी। शव की हालत से अंदाजा लगाया जा रहा है कि व्यक्ति की मौत कई दिन पहले हुई है। हालांकि अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में सूचना भिजवाई है और ग्रामीणों से भी पूछताछ की जा रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या कर शव लटकाया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

सी.एस.टी. (क्राइम ब्रांच) आयुक्तालय जयपुर द्वारा थाना जवाहर नगर एवं थाना मोतीडूंगरी जयपुर में वाहन चोरी की वारदात का खुलासा

देश का दर्पण न्यूज

पुलिस उपायुक्त (अपराध) श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जयपुर शहर में वाहन चोरी, नकबजनी एवं अन्य चोरी की बढ़ती वारदातों को मध्यनजर रखते हुए में क्राइम ब्रांच की सीएसटी को आसूचना संकलित कर वाहन चोरों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु श्री रिछपाल सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध के निकट सुपरविजन एव नेतृत्व में उ.र.ळ. आयुक्तालय जयपुर की टीम द्वारा वाहन चोरों के विरूद्ध आसूचना संकलन पुलिस थाना जवाहर नगर एवं मोती डूंगरी जयपुर (पूर्व) में कार्यवाही की गई।

BSNL विभाग की केवल चोरी करने वाला मुख्य मुल्जिम गिरफ्तार

देश का दर्पण न्यूज

श्री करण शर्मा पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर ने बताया की दिनांक 27.08.2025 को परिवादी श्री भोजराज सैनी उपमण्डल अभियंता केबल बीएसएनएल एमआई रोड जयपुर ने थाना जालूपुरा जयपुर उत्तर पर उपस्थित होकर एक रिपोर्ट BSNL की केबल चोरी की पेश की आदि पर मु.न. 154/2025 धारा 303(2) BNS (2023) व 3 PDPP Act में दर्ज कर माल मुल्जिमान की तलाश प्रारम्भ की गई।

वारदात का खुलासा हेतु श्री बजरंग सिंह अति. पुलिस उपायुक्त द्वितीय के निर्देशन में श्री अनुप सिंह सहायक पुलिस आयुक्त वृत कोतवाली जयपुर के पर्यवेक्षण में श्री हवासिंह पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना जालुपुरा जयपुर उत्तर, के नेतृत्व में श्री गिरधारी लाल हैड कानि न. 2106 पुलिस थाना बालुपुरा जयपुर उत्तर, श्री शिवराज कानि न.10064 श्री सतवीर कानि न. 11966 श्री महावीर कानि नं. 6961 श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह कानि न. 7795 की एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस पास लगे दर्जनो सीसीटीवी कैमरो की फूटेज चेक किये गये एवं फूटेज के आधार पर संदिग्ध शक्स की तलाश कर मुल्जिमान अब्दुल अलीम, फिटु शेख, मोहम्मद गयास को बाद अनुसंधान गिरफ्तार कर मुल्जिमानो के कब्जे से प्रकरण हाजा का माल मशरुका बीएसएनएल की 02 प्राईमरी केबल व घटना में काम मे लिये गये एक 04 फीट पाईप पोने इंच लोहे का, एक लोहे का सब्बल 2.5 फीट करीब, एक सवा दो फिट लोहे का पाईप पोने इंच वाला, एक छोटी हथोडी, एक टॉर्च छोटी, एक फावडा, एक लोहे की मिट्टी खोदने की बोगी लोहे के पाईप से जुडी हुई कुल लम्बाई करीब तीन फिट, दो प्लास्टिक के खाली कट्टो व एक ओटो रिक्शा को जब्त किया गया। वारदात का मुख्य मुल्जिम रहीफूल शेख प्रकरण दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था जो अपने किराये के मकान पर नहीं जा रहा था स्वर्ण जयन्ति नाला मे छुपकर फरारी काट रहा था मुल्जिम के पास रुपये नहीं होने के कारण कोई बड़ी वारदात को अन्जाम देकर पश्चिम बंगाल भागने की फिराक में था जिसको टीम द्वारा अथक प्रयास एवं मुखबिर खास की सूचना पर दचिश दी जाकर मुल्जिम रहीफूल शेख को गिरफ्तार किया गया उक्त प्रकरण में तीन मुल्जिम पूर्व में गिरफ्तार किये जा चुके है। मुल्जिमान नशे के आदी है जिनहोने नशे के रुपये नहीं होने पर उक्त चोरी की। वारदात के संबंध में मुल्जिम से गहन अनुसंधान जारी है।

बुंदेलखण्ड की भूमि वीरों की भूमि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ब्यूरो। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की भूमि वीरों की भूमि है। बुंदेली भाषा का निरंतर प्रचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड की उत्पत्ति से लेकर ऐतिहासिक काल और वर्तमान काल तक शौर्य, साहित्य-सृजन, लोक गीत- संगीत के विकास और कलाओं के उन्नयन की विशेषताओं का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की शाम भोपाल के रवीन्द्र भवन में बुंदेली समागम में विभिन्न प्रतिभाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

पुलिस पर हमला करने वाले आरोपी को भेजा जेल

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली)
पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफतार। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने पी सी कर घटना की दी जानकारी।

मिली जानकारी अनुसार पातेपुर थाना क्षेत्र के 291/25के आरोपी एवं सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के लहलादपुर गांव निवासी कृष्णा सिंह के पुत्र मनीष कुमार उर्फ बुच्ची के रूप में किया गया है। अभियुक्त के पास से एक पिस्टल जिंदा कारतूस के एक मोबाइल फोन बरामद भी किया गया है।अभियुक्त के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि अभियुक्त मनीष पातेपुर थाना में पांच विभिन्न कांडों में अभियुक्त रहा है। 16 अगस्त25को पातेपुर नगर पंचायत के आम के बगीचा (राम बाग) में पुलिस पर जानलेवा हमला के मुख्य अभियुक्त छोटू के साथ थाना अध्यक्ष पर हमला किया था। जिसमें थाना अध्यक्ष राकेश कुमार बाल बाल बच गए थें । पुलिस के भय से अपराधी घटना के बाद भाग निकले थें।रंगदारी मांगने में , सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन करने आर्म्स एक्ट आदि चार मामलों में प्राथमिकी अभियुक्त है। लंबे समय से पुलिस के गिरफ्त से बाहर था। जिसको शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मप्र: हर घर नल से जल ने बदली तस्वीर, ग्रामीण महिलाओं को मिला संघर्ष से छुटकारा

भोपाल/ब्यूरो। मध्य प्रदेश के दूरस्थ गांवों में नल से जल पहुंचने से जीवन आसान हो गया है। राजगढ़ जिले की ग्राम पंचायत चाँदपुरा का छोटा-सा दूरस्थ गांव समलाबेह इसका आदर्श उदाहरण है। नल से जल की सुविधा मिलने से यह गांव नई पहचान बन गया है। मोहनपुरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत यहां की 130 की आबादी और 26 परिवारों तक घर-घर पाइपलाइन से स्वच्छ पेयजल पहुँच रहा है। पानी की कमी से जूझता यह गांव अब सुविधा, स्वास्थ्य और खुशहाली की ओर अग्रसर है।

जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि कुछ वर्ष पहले तक इस गांव का जीवन बेहद कठिन था। पानी के लिए महिलाओं और बच्चों को रोज सुबह-शाम कई किलोमीटर दूर कुओं से पानी लाना पड़ता था। बरसात के मौसम में जब गंदा पानी इन स्रोतों में मिल जाता था तो ग्रामीणों को दूषित जल पीना पड़ता था। गर्मियों में गांव में पानी का संकट बढ़ जाता था। सीमित जलस्रोतों पर निर्भरता के कारण आए दिन झगड़े की स्थिति भी बनती थी। इन परिस्थितियों से बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों की आजीविका प्रभावित हो रही थी।

उन्होंने बताया कि समूह नलजल योजना ने इस गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। अब गांव के हर घर में पाइपलाइन से जलापूर्ति हो रही है। 26 घरों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। महिलाएँ बताती हैं कि पहले उनका आधा दिन पानी ढोने में ही निकल जाता था। अब यही समय परिवार और अन्य कार्यों को दे पा रही हैं। बच्चों को भी पानी लाने के काम से मुक्ति मिली है और उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी है।

स्वास्थ्य के स्तर पर भी बड़ा बदलाव आया है।

पहले बारिश के दिनों में डायरिया, उल्टी-दस्त और अन्य जलजनित बीमारियाँ आम थीं। अब ग्रामीण साफ पेयजल का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और इलाज पर होने वाला खर्च भी कम हो गया है।

मोहनपुरा समूह जल योजना केवल समलाबेह तक सीमित नहीं है। यह योजना राजगढ़ जिले के कई गांवों को कवर कर रही है, जिनमें हजारों परिवारों तक नल के जरिए स्वच्छ पेयजल पहुँचाया जा रहा है। योजना का उद्देश्य पूरे क्षेत्र को स्थायी जलस्रोत उपलब्ध कराना है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक जीवन की नींव है।

अब पानी के लिए नहीं करना पड़ता है संघर्ष: नौरंग बाई

वर्षों तक पानी ढोने को मजबूर रहीं, गांव की 70 वर्षीय नौरंग बाई बताती हैं कि जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष पानी ही रहा। रोजाना सिर पर घड़ा रखकर पानी ढोना उनकी दिनचर्या थी। बरसों तक पानी की एक-एक बाल्टी के लिए कतार में खड़े रहना पड़ा। अब घर में नल लगने से यह संघर्ष बीते जमाने की बात हो गयी है। वे कहती हैं कि अब नई पीढ़ी को पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

ग्रामीण भी मानते हैं कि नल से जल की व्यवस्था ने उनके जीवन स्तर को ही नहीं, पूरे गांव की सोच और संस्कृति को भी बदल दिया है। अब पानी केवल आवश्यकता नहीं रहा, बल्कि सम्मान, स्वास्थ्य और खुशहाली का प्रतीक बन गया है।

गजमार पहाड़ी बनेगा इको पार्क: वित्त मंत्री चौधरी ने किए 8 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन

रायगढ़/रायपुर/ब्यूरो। रायगढ़ जिले की ऐतिहासिक और आस्था से जुड़ी गजमार पहाड़ी अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगी। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज शनि?वार को 8 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का भूमि पूजन कर परियोजना की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने पूजा-अर्चना कर पवनपुत्र हनुमान जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।परियोजना के तहत गजमार पहाड़ी पर योग प्लेटफॉर्म, वॉच टॉवर, पाँच पगोड़ा, बच्चों के लिए खेल परिसर, कैंटीन और इको पार्क जैसी सुविधाएँ विकसित की जाएंगी।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि, यह केवल धार्मिक स्थल का जीर्णोद्धार नहीं, बल्कि रायगढ़ के सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यटन विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है और इसका विकास शहर को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, रोजगार और पर्यटन जैसे क्षेत्रों के माध्यम से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने युवाओं को नवगुरुकुल योजना का लाभ उठाने की अपील की, जिसके तहत छात्राएं दो वर्षीय प्रशिक्षण लेकर कौशल विकास कर बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकेंगी।

रायगढ़ नगर निगम के महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि, लंबे समय से नागरिकों की मांग थी कि गजमार मंदिर का जीर्णोद्धार हो, जिसे वित्त मंत्री चौधरी के प्रयासों से साकार रूप मिला है। उन्होंने इसे स्थानीय जनसुविधा और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पहल बताया।

पुलिस थाना मालपुरागेट में अवैध मादक पदार्थ तस्कर प्रदीप सांसी को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 11.90 ग्राम स्मैक बरामद

देश का दर्पण न्यूज

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जयपुर शहर में चलाये जा रहे ऑपरेशन "क्लीन स्वीप' के तहत जयपुर शहर में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु श्री रिछपाल सिंह, अति० पुलिस उपायुक्त संगठित अपराध के निकट सुपरविजन एवं नेतृत्व में सी.एस.टी. आयुक्तालय जयपुर की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध पुलिस थाना मालपुरागेट जयपुर पूर्व में संयुक्त कार्यवाही करते हुए मादक पदार्थ तस्कर प्रदीप सांसी पुत्र श्री विजय सांसी को गिरफ्तार कर 11.90 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

शिप्रापथ थाना क्षेत्र से चोरी की 01 मोटर साईकिले व 01 स्कूटी बरामद

देश का दर्पण न्यूज

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम श्री हनुमान प्रसाद ने बताया कि दुपहिया वाहन चोरी की रोकथाम हेतु वाहन चोरो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसकी पालना में श्री आलोक सिंघल अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम श्री सुरेन्द्र सिंह राणावत सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाडा के सुपरवीजन में थानाधिकारी थाना करधनी श्री सवाई सिंह के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा वाहन चोरी की घटनाओ में पूर्व से चालानशुदा अभियुक्तों एवं मुखबीर तंत्र विकसित कर वाहन चोरी की घटना में लिप्त संदिग्धों पर निगरानी की गई। थाना करधनी पर गठित टीम के सदस्यों ने महत्वपूर्ण आपराधिक आसूचना प्राप्त करते हुये दिनांक 5.9.2025 को रात्रि के समय करधनी स्कीम के पास से शातिर वाहन चोर 1. बादल सोनी पुत्र श्री बिहारी लाल जाति सोनी उम्र 32 साल मकान नं 210 गोपी नगर नो दुकान कालवाड रोड थाना करवनी जयपुर 2. विशाल वर्मा पुत्र श्री राकेश वर्मा जाति बलाई उम्र 28 साल निवासी मकान नं 21 मोती विहार गोकुलपुरा थाना करधनी जयपुर 3. संजय तिवाडी पुत्र श्री अशोक कुमार जाति ब्राहम्ण उम्र 42 साल निवासी मकान नं 57 गार्डन रेजीडेन्सी गोविन्दपुरा थाना करधनी जयपुर को धारा 170 बी एन एस एस में गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से दिनांक 27.8.2025 को शिप्रापथ जयपुर क्षेत्र से चोरी की गई स्कूटी नं आर जे 14 जे के 7812 एवं दिनांक 1.9.2025 को शिप्रापथ जयपुर क्षेत्र से चोरी की गई होण्डा होरनेट मोटर साईकिल नं आर जे 08 एस यू 2992 चुराई गई बरामद की गई। तीनो अभियुक्तगण पूर्व से सम्पत्ती सम्बन्धी अपराधों में चालानशुदा है। अभियुक्तो से पूछताछ जारी है।

उज्जैन: ब्रिज से शिप्रा नदी में गिरी तेज रफ्तार कार, सर्चिंग जारी

उज्जैन/ब्यूरो। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में शनिवार की रात एक तेज रफ्तार कार ब्रिज पर बेरिकेडिंग नहीं होने के चलते अनियंत्रति होकर शिप्रा नदी में जा गिरी। बताया जा रहा है कि कार में तीन लोग सवार थे। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है, लेकिन नदी में तेज बहाव होने से कार सवार की तलाश में दिक्कतें आ रही हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन अनियंत्रित होकर पिलर से टकराया और सीधा नदी में गिर गया। कार में तीन लोगों के होने की संभावना जताई जा रही है। मौके पर प्रशासनिक अमला मौजूद है। पुलिस ने वहां क्रेन भी बुलाई है। एनडीआरएफ नदी में बोट चलाकर रेस्क्यू में जुटी है।

उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जूना सोमवारिया की ओर से कार बड़नगर की ओर जा रही थी। कार ब्रिज के लेफ्ट साइड की ओर गिरी है। नदी पुल से करीब 12 फीट नीचे है। हादसे की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम और होमगार्ड के जवान बोट से सर्च कर रहे हैं।

आस्था के साथ हुआ इंजीनियरिंग का मेल

सी एम नीतीश ने पुनपुन सस्पेंशन ब्रिज के जरिए पर्यटन, व्यापार और आस्था को जोड़ा

पटना/ब्यूरो। बिहार की धरती पर अब ऋषिकेश के लक्ष्मण झूले जैसा नजारा दिखने वाला है। पटना से सटे पुनपुन में 320 मीटर लंबा आधुनिक केबल सस्पेंशन ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस अनोखे ब्रिज का उद्घाटन किया और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया। इस पुल के शुरू हो जाने से पुनपुन पिंडदान स्थल आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही बेहद आसान हो जाएगी। साथ ही पुनपुन शहर के लोगों को व्यापार और रोजमर्रा की गतिविधियों में भी बड़ा सहारा मिलेगा। यह बिहार का पहला हल्के वाहनों के लिए बना केबल सस्पेंशन ब्रिज है।

ये खासियत इसे बनाती हैं खास

पुल की कुल लंबाई 320 मीटर है

सस्पेंशन डेक 120 मीटर लंबा है

पुल को संभालने वाली स्टील की 18 मजबूत केबलें हैं

पाईलॉन की ऊंचाई 100 फीट रखी गई है

संपर्क पथ 135 मीटर और डक्ट की लंबाई 200 मीटर है

46 करोड़ से शुरू होकर 83 करोड़ में तैयार

इस पुल का निर्माण कार्य 31 अगस्त 2019 को शुरू हुआ था। शुरूआती लागत 46 करोड़ 77 लाख रुपये तय हुई थी, लेकिन समय के साथ बढ़कर लगभग 83 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए सांसद नवीन जिन्दल की नई पहल नवीन जिन्दल स्पोर्ट्स एकेडमी

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नवीन जिन्दल स्पोर्ट्स एके-डमी का किया उद्घाटन

हरियाणा के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए नवीन जिन्दल स्पोर्ट्स एके-डमी का हुआ उद्घाटन हुआ

कैथल (कृष्ण प्रजापति): केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलो के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को ओपी जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, राई, सोनीपत में नवीन जिन्दल स्पोर्ट्स एकेडमी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिन्दल को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह स्पोर्ट्स एके-डमी न केवल ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए लाभकारी होगी, बल्कि पूरे हरियाणा के खिलाड़ियों को भी विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करेगी। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों को भी समान महत्व देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है और इसी कारण प्रदेश को दुनिया में मेडल फैक्ट्री के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने बताया कि इस एकेडमी में खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही उन्होंने हरियाणा के भीम अवार्डी और अर्जुन अवार्डी खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे यहां अभ्यास कर युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दें। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने के लिए अर्जुन अवार्डी, भीम अवार्डी और द्रोणाचार्य अवार्डी खिलाड़ी भी शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

नवीन जिन्दल स्पोर्ट्स एकेडमी के उद्घाटन समारोह में हरियाणा के भिवानी से सांसद धर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, सुभाष बराला, सोनीपत विधायक निखिल मदान, पुंडरी विधायक सतपाल जांबा और गुहला के पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर भी मौजूद रहे।

वरिष्ठजन व दिव्यांगजनों को सक्षम बनाएगा समर्थ धौलपुर अभियान,

जिला कलक्टर के प्रयासों से शुरू हुआ नवाचार, पहला शिविर 8 सितम्बर को सरमथुरा में

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) 5 सितंबर।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के द्वारा जिले के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं को उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध करवाने हेतु नवाचार के रूप में समर्थ धौलपुर अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में 13 शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में वरिष्ठजन और दिव्यांग जन को कृत्रिम अंग और उपकरण के लिए चिन्हित कर उनका वितरण किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान के तहत पहला शिविर सोमवार 8 सितंबर को पंचायत समिति सरमथुरा में तथा 9 सितंबर मंगलवार को अटल सेवा केंद्र आंगई के शिविर आयोजित होगा। शिविर में वरिष्ठ नागरिक आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पेंशन पीपीओ या 1.80 लाख से कम का वार्षिक आय प्रमाण पत्र साथ लाकर सहायक यंत्र जैसे कान की मशीन, स्टीक, कमर की वैल्ट, घुटने की वैल्ट, सर्वाइकल कौलर, वॉकर, ट्राइपोर्ड, वाकिंग स्टिक आदि हेतु चिन्हीकरण किया करवा सकेंगे। साथ ही दिव्यांगजन आवश्यक दस्तावेज यथा दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड , पैन्शन पीपीओ , फोटो लेकर दिव्यांग जन हेतु मोटराईज्ड ट्राई-साइकिल, व्हीलचेयर, कैलिपर, वैशाखी, वॉकर, ट्राईपोड, श्रवण यंत्र आदि हेतु चिन्हीकरण करवा सकेंगे।

जवाई बांध के 2,4,10 तीन गेट खोले दो दो फिट गेट एक गेट 1फिट गेट खोला प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

उपखण्ड सुमेरपुर क्षेत्र जवाई बांध में लगातार आवक जारी है गेट के मुहाने तक पानी का लेवल पहुंच चुका है जवाई बांध में लगातार आवक जारी है गेट के मुहाने तक पानी का लेवल पहुंच चुका,लेकिन शनिवार 2:35 बजे जवाई बांध के गेट 2, 4, 10 गेट तीन गेट खोले दो, दो, फिट गेट एक गेट 1 फिट गेट खोला पानी का सैलाब मौके गेट खोलने देखने आए केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत जवाई बांध के प्रभारी अधिकारी गणपत देवासी न्यूज रिपोर्ट डीके देवासी जानकारी लेते हूए हालांकि पानी की आवक को देखते हुए जवाई नहर खंड सुमेरपुर के एक्सईएन राज भंवरायत ने अलर्ट जारी किया अलर्ट में बताया कि बांध के पानी से टच नदी के आसपास रहने वाले लोंगो को किया गया अलर्ट कैचमेंट एरिया में पानी की आवक एवं आगामी दिनों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश का अलर्ट को ध्यान में देखते हुए बांध के गेट तीन गेट खोले एक्सईएन ने डाउन स्ट्रीम में जवाई नदी के बहाव क्षेत्र और उसके आस पास पानी के संभावित बहाव को देखते हुए सावधानी बरतने को निर्देशित किया

चन्द्रप्रभा रिसोर्ट होटल के पास खेत मे हरा चारा खा फोटोग्राफी करने के चक्कर मे खुला छोडा गाय और भैंस अंदर चली गई होटल रूम के आगे

जमीन मे लाइट तार करंट छोड़ा हुआ 2 भैंस की मौत

उपखण्ड बाली कोठार चन्द्रप्रभा रिसोर्ट मे बिजली करंट लगने से मौत दो **भैंस** की मौत गांव मे चूसना दी 2 भैंस मालिक ने जोरसिंह/खीमसिंह चौहान कोठार पहले बोल दिया था रिसोर्ट टूरिस्ट लोग फोटोग्राफी करने पहाड़ियों पर जाते इस छोटी गली गेट से जाते जोरसिंह ने पहले बोला इस तरह खुला नही छोड़े कभी भी पशु अंदर जानवर जाएगा चन्द्रप्रभा रिसोर्ट होटल के पास खेत मे फोटोग्राफी करने ये हादसा हुआ भैंस गाय अंदर जाने से हादसा हुआ गेट खुले से अंदर गए दो भैसों को करंट लगने मौके पर ही मौत हो गई यह लापरवाही चन्द्र प्रभारिसोर्ट वालों की फोटोग्राफी से हादसे के लपेट मे आई दो भैंस मौके पर मौत हुई दिन को रिसोर्ट मे बिजली तारों को करंट के लिए खुला छोड़ा मोके पर दो भैसों की मौत हो गई

विधायक लालाराम बैरवा ने मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद शाहपुरा बनेडा में अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान का जायजा लेने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक

सुरज वर्मा

शाहपुरा शहर में विधायक लालाराम बैरवा ने मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद शाहपुरा बनेडा में अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान का जायजा लेने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने तीनों उपखंडों के उपखंड अधिकारियों और अन्य विभागों के अधिकारियों को शत-प्रतिशत फसल खराबे की गिरदावरी करने के निर्देश दिए, ताकि सभी प्रभावित किसानों को इसका लाभ मिल सके। बैठक में चर्चा के मुख्य बिंदु अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों, सड़कों, विद्यालयों, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों की स्थिति पर चर्चा की गई।

क्षेत्र के लोगों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। नदियों, तालाबों और बांधों के भरने पर आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रहने के लिए अलर्ट जारी किया गया।

सभी टीमों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए। तालाबों और बांधों के अधिकारियों को निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

हमारा इलाका, हमारा समाधान कैंप में पहुँचे सुंदरबन विकास मंत्री, जनता की समस्याओं पर दिया आश्वासन

रमेश राय

गंगासागरः मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर पूरे राज्य में चल रहे ह्महमारा इलाका, हमारा समाधानह्व कार्यक्रम के तहत गंगासागर के मुरिगंगा 1 ग्राम पंचायत के अंतर्गत कचुबेरिया के 12 और 13 नंबर बूथ में शनिवार सुबह विशेष कैंप का आयोजन हुआ। इस कैंप में सुंदरबन विकास मंत्री एवं सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बंकिमचंद्र हाजरा मौजूद रहे। उनके साथ सागर ब्लॉक के बीडीओ कनैया कुमार राव, सागर थाने के प्रभारी अर्पण नायक तथा पंचायत के कई अधिकारी भी उपस्थित थे। कैंप में स्थानीय लोगों ने लंबे समय से उपेक्षित 115 मीटर सड़क (प्रामाणिक पाड़ा, गोविंद मंदिर के पास) की मरम्मत की मांग उठाई। मंत्री ने स्थल निरीक्षण कर जल्द ही सड़क मरम्मत का काम शुरू करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा स्कूल भवन सहित कई समस्याएँ भी जनता ने उनके सामने रखीं, जिनके शीघ्र समाधान का भरोसा मंत्री ने दिया।

अतिवृष्टि तथा बाढ़ प्रभावितों को पहुंचाएं त्वरित राहत, पूरी पारदर्शिता के साथ समय पर करें फसल खराबे की गिरदावरी - जवाहर सिंह बेढम

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधोलिया)6 सितंबर।

राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग व जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शनिवार को धौलपुर जिले में अतिवृष्टि से उपजे हालातों और प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की गहन समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में प्रभारी मंत्री बेढ़म ने जिले में अब तक हुई मानसूनी वर्षा के आंकड़ों, अतिवृष्टि के कारण हुए विभिन्न प्रकार के नुकसान, और आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से आकाशीय बिजली गिरने तथा पानी में डूबने से हुई मौतों पर दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को तत्काल मुआवजा स्वीकृत करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिला प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राहत का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। प्रभारी मंत्री बेढम ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए सरकारी भवनों, विशेषकर स्कूलों, अस्पतालों और आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत के प्रस्तावों पर भी चर्चा की। उन्होंने एसडीआरएफ के नियमों के तहत विभिन्न विभागों से प्राप्त मरम्मत प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन भवनों की मरम्मत का कार्य शीघ्रता से सुनिश्चित किया जाएं, ताकि आमजन से जुड़ी आवश्यक सेवाएं बाधित न हों।

किसानों की पीड़ा को समझते हुए, प्रभारी मंत्री ने बैठक का मुख्य फोकस फसल खराबे पर रखा। उन्होंने कृषि विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार खराब हुई फसलों की गिरदावरी का कार्य अविलंब पूरा करवाया जाएं।

7 सितंबर से 21 सितंबर तक चलेगा श्राद्ध पक्ष

कैथल (कृष्ण प्रजापति): हिंदू धर्म में पितरों के तर्पण और श्राद्ध कर्म का विशेष महत्व है। आचार्य पंडित रवि दत्त शास्त्री पुंडरी ने बताया कि शास्त्रों में जिस कर्म को श्रद्धा पूर्वक पितरों के उद्देश्य से किया जाता है, उसे ही श्राद्ध कहा गया है। इसका मूल आशय यह है कि श्राद्ध का आधार श्रद्धा है।

उन्होंने बताया कि पितरों के लिए हर वर्ष अश्विन मास के कृष्ण पक्ष में श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। यह प्राचीन काल से चली आ रही **हमारी महान परंपरा है।**

श्राद्ध करने की विधि :

श्राद्धकर्ता को श्वेत वस्त्र धारण कर पितरों का मानसिक स्मरण करना चाहिए।

पूर्वाभिमुख होकर बैठकर हाथ में त्रिकुश तिल एवं जल लेकर संकल्प करें और संकल्प का जल भूमि पर अर्पित करें।

ब्राह्मण भोजन से पहले पंचबली कर्म (गोबली, श्वानबली, काक बली, देव बली और पिपीलिका बली) करना चाहिए।

इसके बाद ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान दें और उन्हें संतुष्ट करें।

फिर श्राद्धकर्ता स्वयं भोजन ग्रहण करे।

आचार्य शास्त्री ने कहा कि यदि कोई निर्धन है और व्यवस्थाएं नहीं कर सकता तो कम से कम पितरों के नाम से गाय को चारा खिलाना भी पर्याप्त है। यदि यह भी संभव न हो तो पितरों के नाम से दोनों हाथ जोड़कर श्रद्धा और भक्ति से प्रार्थना करनी चाहिए। मात्र इतनी सी भावना से भी पितृ प्रसन्न हो जाते हैं।

श्राद्ध पक्ष विशेष 2025 तिथियां :

1. 7 सितंबर (रविवार) पूर्णिमा श्राद्ध / श्री सत्यनारायण व्रत एवं चंद्र ग्रहणॉ
2. 8 सितंबर (सोमवार) प्रतिपदा श्राद्ध
3. 9 सितंबर (मंगलवार) द्वितीया श्राद्ध
4. 10 सितंबर (बुधवार) तृतीया श्राद्ध एवं गणेश चतुर्थी व्रत
5. 11 सितंबर (गुरुवार) चतुर्थी श्राद्ध
6. 12 सितंबर (शुक्रवार) पंचमी श्राद्ध (10:00 बजे तक), उसके बाद षष्ठी श्राद्ध
7. 13 सितंबर (शनिवार) सप्तमी श्राद्ध
8. 14 सितंबर (रविवार) अष्टमी श्राद्ध एवं श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ
9. 15 सितंबर (सोमवार) नवमी श्राद्ध एवं सौभाग्यवती माता का श्राद्ध
10. 16 सितंबर (मंगलवार) दशमी श्राद्ध
11. 17 सितंबर (बुधवार) एकादशी व्रत एवं श्राद्ध
12. 18 सितंबर (गुरुवार) द्वादशी श्राद्ध
13. 19 सितंबर (शुक्रवार) त्रयोदशी श्राद्ध, प्रदोष व्रत एवं मासिक शिवरात्रि व्रत
14. 20 सितंबर (शनिवार) चतुर्दशी श्राद्ध एवं अकाल मृत्यु श्राद्ध
15. 21 सितंबर (रविवार) अमावस्या श्राद्ध, सूर्य ग्रहण (भारत में दिखाई नहीं देगा, मंदिर खुले रहेंगे)।

आचार्य शास्त्री ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि पितरों की शांति और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए श्राद्ध पक्ष में श्रद्धा और भक्ति से अवश्य कर्म करें।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से अतिवृष्टि प्रभावित पंजाब में भेजी गई सहायता एवं राहत सामग्री

जयपुर, 06 सितंबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की जनकल्याणकारी सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एकात्म मानववाद के सिद्धांत का अनुसरण करते हुए न सिर्फ प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए दिन-रात जुटे हुए है बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अन्य राज्यों का सहयोग करने के लिए भी तत्पर रहते हैं। उल्लेखनीय है कि गत दिनों राज्य में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के दौरान श्री शर्मा ने सीमावर्ती क्षेत्र के जिला कलेक्टर्स को सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा लोगों की मदद से पड़ोसी राज्य पंजाब में भारी बारिश से आयी आपदा में मदद भिजवाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय से दानदाताओं एवं अन्य ट्रस्टों के माध्यम से 4 हजार राशन किट, 2 हजार 500 तिरपाल, 2 हजार पानी की बोतलें, 1 हजार मेडिकल किट, पशुओं के लिए 1 हजार चारा बैग, 40 ट्रोली चारा, सेना के समन्वय से 4 नावें तथा सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र से 15 लाख रुपएं एवं आर्मी कैंप से 11 लाख रुपएं की सहायता राशि भिजवाई गई हैं। इसके अतिरिक्त गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन की ओर गुरूवार को राहत सामग्री भिजवाई गई जिसमें 200 राशन किट, 1700 तिरपाल एवं 1 हजार पानी की बोतल सहित अन्य सामग्री भिजवाई गयीं। मुख्यमंत्री के आह्वान एवं प्रेरणा से श्री गंगानगर जिले के पदमपुर उपखण्ड क्षेत्र से 2 लाख 26 हजार 800 रुपएं की खाद्य सामग्री, 1 लाख 5 हजार रुपएं की पानी की बोतलें, 186 बैग खलचूरी, 1 लाख 50 हजार रुपएं का चारा तथा 1 लाख 46 हजार रुपए की नगद सहायता भेजी गई। उपखण्ड क्षेत्र श्री विजयनगर से विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा 150 क्विंटल गेंहू, पानी की 2 हजार 400 बोतल, बिस्किट के 1000 पैकेट तथा 20 हजार रुपएं की मेडिकल किट एवं दवाइयां भेजी गई।

धौलपुर-शहर की सड़कें हुयीं क्षतिग्रस्त,बारिश के चलते हुये बड़े-बड़े गड्ढे, लोग हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

देश का दर्पण न्यूज, धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) 5 सितंबर।

शहर का गौरव पथ जिसे कभी शान और पहचान माना जाता था। अब गड्ढों से भरी सड़क में तब्दील हो चुका है। सड़क के दोनों ओर बीच सड़क में हुए बड़े-बड़े गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन बाइक सवार और पैदल चलने वाले गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बरसात के दिनों में हालात और भी बिगड़ जाते हैं। पानी भरने से गड्ढों का पता ही नहीं चलता और लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं। कई बार छोटे हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग खामोश है। गौरव पथ पर स्थित निहाल टॉवर, सिटी जुबली हॉल और पुरानी टाऊन हाल जैसी रियासत कालीन इमारतें भी अब बदहाल स्थिति में नजर आने लगी हैं। पर्यटक यहां आते हैं लेकिन टूटी सड़कें और गड्ढों से भरा गौरव पथ शहर की छवि को लेकर खराब संदेश दे रहा है। यह मार्ग जनाना अस्पताल एवं शिशु रोग अस्पताल को जोडने वाला मुख्य मार्ग भी है। जिससे मरीजों और एंबुलेंस को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के डिवाइडर पर लगाए गए पौधे भी देख रेख के अभाव में झाड़ियां बन चुके हैं। उनकी शाखाएं दो से तीन फीट तक जालियों से बाहर सड़क पर फैल गई हैं, जो हादसे की आशंका को और बढ़ा रही हैं। शहरवासी अब सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब जिम्मेदार विभाग गौरव पथ की मरम्मत करेगा और शहर की इस धरोहर को फिर से गौरव दिलाएगा।

कोठार मे खारी नदी गणपति विसर्जन किया तूफानी खारी नदी चल रही इस दौरान काफी लोंगो ग्रामीण देखने आए

उपखण्ड बाली क्षेत्र कोठार गांव रबारी समाज ने गणपति की स्थापना आज खारी नदी में गणपति विसर्जन किया इस दौरान युवाओं ने सतर्कता दिखते हुए कोई लापरवाही नहीं करें पानी के अंदर कोई नही जाए कुछ लोगों ने नदी के ऊपर से गणपति बाबा मोरिया का विसर्जन किया कोठार ग्रामीणो को लेकर आकरिया चौक आए वहा पर सम्मापन हुआ न्यूज रिपोर्ट डीके देवासी जानकारी देते हुए कोठार देवासी समाज के शिक्षित युवा नवीन खाटोणा,जवान गोगल, सोगाराम खाटोणा,कल्पेश नोंगू,मंगल भाड़का,अनिल ललगुता,रामाराम ओडू, छोटे बच्चों की युवा टीम और समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे जिसमें सभी लोगों को सुरक्षित घर ले गए गणपति विसर्जन का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया गया लोगो ने अपनी श्रद्धा के अनुसार ढाई, तीन या दस दिनों के लिए गणपति को घर लाते हैं और जिसके बाद पास मे तालाब या कुंड में विसर्जित करते हैं फुक्ता इंतजाम के बाद कोई जन हानि नहीं हुई हालांकि,कई बार लापरवाही के कारण यह उत्सव दुखद घटना में बदल जाता है पहले कई जगहों पर विसर्जन के दौरान घटना देखने को मिला उससे सभी को डर रहता है

तेज बारिश से सड़के बनी नदियाँ और जलमग्न भीलवाड़ा: प्रशासन की खुली पोल

भीलवाड़ा शहर और जिले में दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। शुक्रवार शाम से शुरू हुई बारिश शनिवार सुबह तक जारी रही, जिससे शहर की सड़क तालाब में तब्दील हो गई। भारी जलभराव और बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शनिवार, 6 सितंबर को जिले के समस्त सरकारी व निजी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है।भीलवाड़ा में शुक्रवार शाम से लगातार बारिश जारी रहने के कारण भीलवाड़ा शहर की मुख्य और गली-मोहल्लों की सड़कें पानी से लबालब हैं। शास्त्री नगर,सांगानेर रोड़, संजय कॉलोनी आजाद नगर, पन्नाधाय सर्किल, मानसरोवर झील चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड, सीताराम जी की बावड़ी जूनावास बड़ा मंदिर और रामधाम रोड समेत दर्जनों इलाकों में लोगों के घरों तक पानी पहुंचे गया। अंडरब्रिज डूब गए, पांडु का नाला उफान पर है और सड़कों पर नदियां बहती नजर आईं। सिर्फ आसमान से बरसता पानी ही भीलवाड़ा की इस दुर्दशा का कारण नहीं है।

झोलाछाप डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया लड़की की अचानक बिगडी मौत

देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया हलेना

भरतपुर..उच्चेन क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही ने एक मासूम जिंदगी छीन ली। मुररका निवासी 19 वर्षीय छात्रा सविता ने शनिवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सविता पिछले 25 दिनों से मौत और जिंदगी के बीच संघर्ष कर रही थी। जानकारी के अनुसार, सविता अपने ननिहाल डलीराम निवासी जुगला पट्टी में रहकर पढ़ाई कर रही थी। करीब एक माह पहले उसे बुखार हुआ तो परिजन उपचार के लिए स्थानीय झोलाछाप डॉक्टर अशोक के पास ले गए। परिजनों का आरोप है कि मरीज के मना करने के बावजूद डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया, जिससे उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। गंभीर स्थिति में सविता को जयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां लगातार इलाज चल रहा था। आज सुबह करीब आठ बजे इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सविता के नाना डलीराम ने झोलाछाप डॉक्टर अशोक के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था। ग्रामीणों का कहना है कि कस्बे और आसपास के इलाकों में आज भी झोलाछाप डॉक्टर बेखौफ होकर आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं,

हमारा इलाका, हमारा समाधान कैंप में पहुँचे सुंदरबन विकास मंत्री, जनता की समस्याओं पर दिया आश्वासन

इवोक: दूसरे दिन जयगढ़ किले की ऐतिहासिक संध्या बनी आकर्षण का केंद्र

जयपुर

जयपुर में जारी इवोक 2025 का दूसरा दिन ऊर्जा, नवाचार और अनुभवों से भरा रहा। दिनभर विभिन्न पवेलियनों में आगंतुकों की भीड़ जुटी रही। देश के विभिन्न स्थानों जैसे गुजरात, उत्तर प्रदेश, मुंबई, हैदराबाद आदि से आये एंटरप्रेन्योर्स ने डेकोर से लेकर फैशन, टेक्नोलॉजी, वेडिंग प्लानिंग से लेकर हॉस्पिटैलिटी में चल रहे अत्याधुनिक ट्रेंड्स की 70 से अधिक स्टाल्स और पवेलियन्स के माध्यम से इवेंट इंडस्ट्री में सृजनशीलता और भविष्य की संभावनाओं की झलक प्रस्तुत की। बड़ी संख्या में आए मेहमानों ने इन पवेलियनों में दिलचस्पी दिखाई और आयोजकों तथा एंटरप्रेन्योर्स के साथ बातचीत कर सहयोग और साझेदारी के अवसर तलाशे इस अवसर पर बात करते हुए एईई के प्रेसिडेंट समीर बाबेल ने कहाः "राजस्थान सदियों से भव्य भारतीय शादियों का पर्याय रहा है। यहाँ की परंपरा, मेहमाननवाजी और शाही अंदाज हर आयोजन को खास बना देता है।

प्रभारी सचिव ने किया फसल खराब और गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण

बारां, राजस्थान

बारां, 6 सितम्बर। राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में जिला प्रभारी सचिव टीकमचंद बोहरा ने शनिवार को अन्ता तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर फसल खराबा एवं गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से रूबरू होकर खेतों में खड़ी फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने सबसे पहले पटवार मंडल पलायथा के पलायथा गाँव पहुंचकर वहां की फसलों का अवलोकन

किया। उन्होंने खेतों में जाकर सोयाबीन एवं अन्य खरीफ फसलों की स्थिति देखी। किसानों ने बताया कि इस बार बारिश अनियमित होने से फसलें प्रभावित हुई हैं, जिससे उत्पादन में भारी कमी की संभावना है। इस पर प्रभारी सचिव ने आश्वस्त किया कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव राहत दी जाएगी। इसके बाद प्रभारी सचिव बोहरा पटवार मंडल अमलसरा के गोपालपुरा ग्राम पहुंचे, जहां उन्होंने गिरदावरी कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने संबंधित पटवारियों एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिरदावरी कार्य पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से किया जाए ताकि वास्तविक हकदार किसानों को ही राहत और मुआवजा मिल सके।

निरीक्षण के दौरान

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खेत स्तर पर जाकर नुकसान का सही आकलन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे गिरदावरी कार्य में राजस्व कर्मियों को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि नुकसान का सटीक मूल्यांकन किया जा सके।

शिक्षक दिवस पर लायंस क्लब जयपुर डायमंड द्वारा ज्ञानदीप 2025 का हुआ आयोजन

जयपुर, 6 सितम्बर 2025। शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को सरहाने और आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा का महत्व समझाना के लिए लायंस क्लब जयपुर डायमंड ने ज्ञानदीप 2025 का आयोजन अजमेर रोड स्थित एक होटल में किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े अनेक शिक्षकों और विद्वानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे राजस्थान के शिक्षा मंत्री, मदन दिलावर तथा सीईओ एंड एडिटर एंड चीफ फर्स्ट इंडियन न्यूज, जगदीश चंद्र तथा अध्यक्ष, जयपुर व्यापार महासंघ, सुभाष गोयल और ओ.पी. अग्रवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।क्लब की अध्यक्ष ममता पंचोली, सचिव प्रीति सक्सेना, कोषाध्यक्ष अनुप्रा शर्मा, चार्टर मेंबर्स, सुधीर जैन, तेजेंद्र गर्ग और अजय अग्रवाल ने सभी अतिथियों और उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और इस कार्यक्रम को ज्ञान व सम्मान की एक अविस्मरणीय संध्या बताया। कार्यक्रम में आर. एस. मदान, आलोक अग्रवाल, अशोक जिंदल, अजय डोगरा, पराग श्रीवास्तव, प्रवीण जैन और शुभम शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। इस मौके पर शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सुनीता बियोत्रा, डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा, इकबाल कुरैशी, जफर इकबाल, देवेंद्र कुमार भगत, गोविंद सैनी, निमिषा भट्ट, ममता शर्मा, डॉ. मीतू माथुर, डॉ. कल्पना रावत, प्रो. कनिका वर्मा, प्रो. रेशम बूलचंदानी, प्रो. शुभा दुबे, मीता माथुर, रेनू शर्मा, धीरज शर्मा, विमला कुमावत, डॉ. दीपा सचदेवा, डॉ. अनुराग प्रसाद, डॉ. दीपिका विजयवर्गीय, हेमलता शर्मा, डॉ. रीमा शाह, डॉ. दीपक शर्मा, प्रभा शर्मा, डॉ. पूनम धवन सहित कई अन्य शिक्षकों को ज्ञानदीप सम्मान से नवाजा गया।

प्रदेश की 15 प्रमुख मंडियों से भी ज्यादा सुमेरपुर की डीएलसी दरें

-केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सीएम को कराया अवगत

जयपुर, 06 सितंबर। पाली जिले की सुमेरपुर कृषि उपज मंडी एकमात्र ऐसी मंडी है जिसके भूखंडों की डीएलसी की दरें राज्य की प्रमुख 15 मंडियों से कहीं ज्यादा है। हैरानीजनक बात ये है कि मंडी के गेट से बाहरी परिधी में डीएलसी की दरें मंडी से आधी भी नहीं है। इस बड़े अंतर के कारण मंडी के व्यापारी दुकानों की क्रय-विक्रय की रजिस्ट्री कराने की बजाय एग्रीमेंट करके ही व्यापार कर रहे हैं। इससे राज्य सरकार को राजस्व को कोई राजस्व नहीं प्राप्त हो रहा है। कृषि मंडी की डीएलसी दरें घटाने की मांग को लेकर स्थानीय विधायक व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को अवगत कराया है। इस पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जल्द ही इसमें संशोधन कर सुमेरपुर कृषि मंडी की डीएलसी दर कम करने का आश्वासन दिया।

16 प्रमुख मंडियों में से डीएलसी दरें सर्वाधिक

मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने बताया कि सुमेरपुर की महाराजा उम्मेद सिंह कृषि उपज मंडी समिति की डीएलसी दरें 4776 रुपए प्रति वर्ग फीट है। वहीं, मुख्य मंडी बालोतरा की डीएलसी दर 621 रुपए प्रति वर्ग फीट, बाड़मेर मंडी की 1750 रुपए, भगत की कोठी की 3564 रुपए, बिलाड़ा की दर 3765, जैसलमेर मंडी की दर 1990, जैतारण की 2376, जालोर की 2459, जोधपुर फल-सब्जी व अनाज मंडी की दर 3618, पाली मंडी की 3464, फलोदी मंडी की 2247 रुपए, पीपाड़ शहर मंडी की दर 3564, रानी स्टेशन मंडी की दर 2710 रुपए, सांचोर मंडी की दर 2491 रुपए, मुख्य मंडी सोजत रोड की दर 825 रुपए वर्ग फीट है। उन्होंने बताया कि सुमेरपुर मंडी परिसर के बाहर जवाई बांध रोड जो कि व्यवसायिक मार्केट है, उसकी डीएलसी दरें 2393 रुपए प्रति वर्ग फीट मुख्य मंडी प्रांगण के बाहर आर्य समाज से भुवनेश्वरी मंदिर तक है। इस प्रकार मंडी परिसर के बाहर 20 फीट दूरी पर ही मंडी परिसर से आधी डीएलसी दरें हैं। इस कारण व्यापारी दुकानों के क्रय-विक्रय की रजिस्ट्री नहीं कराते हैं तथा एग्रीमेंट करके ही व्यापार कर रहे हैं। रजिस्ट्री नहीं होने से राज्य सरकार को पिछले 40 साल से राजस्व प्राप्त नहीं हुआ है।

ज्ञान और संस्कार का केंद्र बने श्री परशुराम ज्ञानपीठः भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहां कि भगवान परशुरामजी सत्य व ज्ञान के प्रतीक हैं। भगवान परशुरामजी के आदर्शों को अपनाते हुए श्री परशुराम ज्ञान पीठ में अध्ययन करने वाले बच्चों को ज्ञान, विज्ञान के साथ सनातन संस्कार की भी सीख दे। जिससे यहां से पढकर निकलने वाला हर बच्चा देश दुनिया में समाज व राष्ट्र का नाम रोशन करे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को विप्र फाउंडेशन की ओर से जयपुर के मानसरोवर में नवनिर्मित श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। भगवान के जयकारों के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री परशुराम ज्ञानपीठ के लिये विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा समेत अन्य

पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत ही अच्छे कार्य की शुरूआत हुई है। भगवान परशुरामजी की कृपा से पीठ की शुरूआत हुई है। समाज के हर गरीब व वंचित वर्ग को अच्छा ज्ञान मिले इसके लिए समाज की जिम्मेदारी है कि ऐसे केंद्र गांवों तक खोले। तभी वंचित वर्ग के युवा आगे बढ़ेंगे। ब्राह्मण समाज के युवाओं के शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन के लिए श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) का निर्माण बड़ा ही सराहनीय कार्य है। यह सेंटर निश्चित ही युवाओं के लिये लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की भी यही परिकल्पना है कि सबका साथ सबका विकास हो। राजस्थान सरकार भी सभी वर्ग व समाज के विकास, उन्नति के लिये कार्य कर रही है। सम्बोधन से पहले मुख्यमंत्री का परशुरामजी की प्रतिमा भेंटकर, साफा व माला पहनाकर अभिनन्दन किया। बारिश के बावजूद हजारों विप्र बन्धु कार्यक्रम में डटे रहे और भगवान परशुरामजी के जयकारे लगाते रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहां कि जनता ने जिस उम्मीद व भरोसे के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी है। उन उम्मीदों के लिए सरकार दिन रात कार्य कर रही है। सरकार बनते ही पानी, बिजली, रोजगार आदि के लिए विकास का नक्शा बनाया। प्रदेश में उधोग धंधे आए इसके लिये राइजिंग राजस्थान के जरिये 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश हासिल किया। हर साल एक लाख युवाओं को नोकरी दी जा रही है। पेपर लीक माफिया जेलों में है। पेपर लीक बंद हो गए हैं। पानी के संकट को दूर करने के लिए ईआरसीपी, नर्मदा योजना जैसी योजना धरातल पर लाई गई। जल्द ही किसानों को दिन में बिजली मिलेंगी और प्रदेश के किसान अन्नदाता के साथ बिजली दाता भी बनेंगे। हर वर्ग समाज की उन्नति के लिए सरकार कार्य कर रही है।

माननीय मुख्यमंत्री, बिहार नीतीश कुमार के साथ 07सितंबर 2025 को सिवान परिभ्रमण के अवसर पर पपौर में जनसभा स्थल का निरीक्षण करते हुए जिला पदाधिकारी सिवान एवं पुलिस अधीक्षक सिवान के साथ जिला के वरीय पदाधिकारी गण।

काइरोप्रैक्टिक थैरेपी काईरो प्रैक्टिकह्व एक ऐसा समायोजन जिसमें प्रशिक्षित विशेषज्ञ, जिन्हें काइरोप्रैक्टर्स कहते हैं

काइरोप्रैक्टिक थैरेपी काईरो प्रैक्टिकह्व एक ऐसा समायोजन जिसमें प्रशिक्षित विशेषज्ञ, जिन्हें काइरोप्रैक्टर्स कहते हैं जो अपने हाथों या किसी छोटे उपकरण के उपयोग से रीढ़ की हड्डी के जोड़ पर नियंत्रित बल लगाते हैं इस प्रक्रिया को ह्लस्पाइनल मैनिपुलेशनह्व भी कहते है ।इसका मकसद रीढ़ की हड्डी की गति , शरीर के हड्डी के जोड़ों और शरीर की गति करने की क्षमता में सुधार करना है। गाँवों में पुराने समय में इन हकीमों को "हाड हकीम" या ह्व हाड़-पहलवानह्व भी कहते थे जो हड्डियों की मोच निकालने का काम किया करते थे उसी को आधुनिक समय में ह्वकायरो प्रैक्टिसह्व कहते हैं । यह हड्डियों को स्वस्थ रखने वाली प्रणाली है जो शरीर के जोड़ों को प्राकृतिक उपचार पर जोर देती है, खासकर रीढ़ की हड्डी और मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम (मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ों) व्यवस्थित रखने में मदद करती है। हकीम या यूनानी चिकित्सक इसमें काइरोप्रैक्टिशनर का कार्य करते है । इस थैरेपी से रीढ़ की हड्डी और शरीर के अन्य हिस्सों में

समायोजन (मैनुअल थेरेपी) करते हैं, जिससे जोड़ों को सही जगह बैठाने, दर्द कम करने ,जोड़ों की गतिशीलता में सुधार किया जा सके और शरीर की प्राकृतिक कार्यप्रणाली को बढ़ावा दिया जा सके ।

काइरोप्रैक्टिक उपचार में आमतौर पर निम्न को शामिल हैं

1.मैनुअल थेरेपी रीढ़ की हड्डी और जोड़ों में हेरफेर करना, जिसे स्पाइनल मैनिपुलेशन कहा जाता है ।

2.एक्सरसाइज रोगी को घर पर ही विशिष्ट व्यायाम के सुझाव दिये जाते हैं ।

3.पोषण संबंधी परामर्श इसमें पोषण और सप्लीमेंट्स के बारे में सलाह दी जाती हैं ।

4.अन्य उपचार अन्य उपचारों में जैसे कि गर्म और बर्फ, विश्राम तकनीक, या इलेक्ट्रोथेरेपी का भी उपयोग किया जाता हैं ।

5.जरूरत पर हर्बल दवाइयां दी जाती हैं ।

इस कार्य के लिए प्रशिक्षित लाइसेंस प्राप्त व्यक्ति होते हैं । काइरोप्रैक्टिक उपचार सुरक्षित है लेकिन कुछ लोगों को हल्के साइड इफेक्ट्स का अनुभव हो सकता है, जैसे कि उपचार के बाद कुछ समय के लिए हल्का दर्द या अकड़न।

प्रक्रिया के दौरान

1.काइरोप्रैक्टर प्रभावित क्षेत्रों का उपचार करने के लिए मरीज को अक्सर कुछ खास मुद्राओं में रखता है।

2.आप को एक विशेष गद्देदार काइरोप्रैक्टिक-टेबल पर पेट के बल लेटना होता हैं।

3.जोड़ों पर नियंत्रित बल लगाने के लिए हाथों का उपयोग करता है और जोड़ को उसकी सामान्य गति सीमा से आगे धकेलता है।

4.उपचार के दौरान काइरोप्रैक्टर जोड़ों को हिलाता है, तो चटकने या चटकने जैसी आवाजें सुनाई दे सकती हैं।

प्रक्रिया के बाद कुछ लोगों को काइरोप्रैक्टिक समायोजन के बाद कुछ दिनों तक मामूली दुष्प्रभाव हो सकते हैं जैसे कि इनमें सिरदर्द या शरीर के उन हिस्सों में दर्द होना और थकान महसूस होना शामिल हो सकता है जिनका उपचार किया गया

परिणाम

1.कमर दर्द कम हो जाता हैं।

2.शोध से पता चलता है कि रीढ़ की हड्डी में ऐसे हेरफेर से कुछ प्रकार के पीठ के निचले हिस्से के दर्द के इलाज में कारगर साबित होता है।

3.कुछ अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि काइरोप्रैक्टिक समायोजन सिरदर्द और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी अन्य स्थितियों, जैसे गर्दन के दर्द, के लिए कारगर हो सकता है।

4.काइरोप्रैक्टिक समायोजन हर किसी पर असर नहीं करता।

5.अगर कुछ हफ़्तों के उपचार के बाद भी लक्षणों में सुधार नहीं होता है, तो शायद यह उस मरीज के लिए यह इलाज उपयुक्त न हो।

डॉ लियाकत अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा
थैरेपी स्पेशियलिस्ट)
सवाई मानसिंह अस्पताल
जयपुर (राज.)

जीएसटी सुधारों से आम जनता को मिलेगा सीधा लाभ : मुनीश शर्मा

केंद्र सरकार का जताया आभार, बताया दूरदर्शी और जनहितैषी कदम

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भाजपा जिला महामंत्री एवं जिला पार्षद मुनीश शर्मा फरल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी ढांचे में किए गए हालिया सुधार आम जनता और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी साबित होंगे। उन्होंने इसे दूरदर्शी और जनहितैषी कदम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

मुनीश शर्मा ने कहा कि लग्जरी कार, तंबाकू उत्पाद और शीतल पेय जैसी वस्तुओं को 40 प्रतिशत के उच्च स्लैब में रखकर सरकार ने स्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया है। इससे समाज में जिम्मेदार उपभोग की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इन बदलावों का सकारात्मक असर जल्द ही देखने को मिलेगा। उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कम होगा, व्यापारी वर्ग को कर अनुपालन में सरलता मिलेगी और कारोबार को नई गति मिलेगी। त्योहारों के मौसम से पहले लागू होने जा रहे ये सुधार उपभोक्ता मांग और उत्पादन दोनों को प्रोत्साहित करेंगे। युवा भाजपा नेता मुनीश शर्मा ने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के ये कदम भारत को आर्थिक दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाएंगे और हरियाणा सहित पूरे देश के विकास की गति को तेज करेंगे।

हमारा इलाका, हमारा समाधान कैंप में पहुँचे सुंदरबन विकास मंत्री, जनता की समस्याओं पर दिया आश्वासन

रमेश राय

गंगासागरः मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर पूरे राज्य में चल रहे हमारा इलाका, हमारा समाधानह्व कार्यक्रम के तहत गंगासागर के मुरिगंगा 1 ग्राम पंचायत के अंतर्गत कचुबेरिया के 12 और 13 नंबर बूथ में शनिवार सुबह विशेष कैंप का आयोजन हुआ। इस कैंप में सुंदरबन विकास मंत्री एवं सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बंकिमचंद्र हाजरा मौजूद रहे। उनके साथ सागर ब्लॉक के बीडीओ कनैया कुमार राव, सागर थाने के प्रभारी अर्पण नायक तथा पंचायत के कई अधिकारी भी उपस्थित थे। कैंप में स्थानीय लोगों ने लंबे समय से उपेक्षित 115 मीटर सड़क (प्रामाणिक पाड़ा, गोविंद मंदिर के पास) की मरम्मत की मांग उठाई। मंत्री ने स्थल निरीक्षण कर जल्द ही सड़क मरम्मत का काम शुरू करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा स्कूल भवन सहित कई समस्याएँ भी जनता ने उनके सामने रखीं, जिनके शीघ्र समाधान का भरोसा मंत्री ने दिया। मंत्री बंकिमचंद्र हाजरा ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर यह कार्यक्रम राज्यव्यापी जनहितकारी अभियान बना है। पहाड़ से लेकर सागर, जंगलमहल से लेकर छिटमहल तक हर जगह ह्लहमारा पड़ोस, हमारा समाधानह्व कैंप आयोजित हो रहा है। पहले जनता को अपनी समस्याओं के लिए जनप्रतिनिधियों के पास दौड़ना पड़ता था, अब जनप्रतिनिधि खुद लोगों की दहलीज पर पहुँचकर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। इस अभियान से अब तक 10 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। सागर ब्लॉक बीडीओ ने बताया कि ब्लॉक में कुल 70 कैंप आयोजित किए गए हैं, जिनमें से शनिवार को 48 कैंप विभिन्न बूथों में चल रहे हैं। जनता अपनी समस्याएँ रख रही है और अधिकारियों द्वारा उन्हें लिखित रूप से दर्ज कर शीघ्र समाधान की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। छोटे मुद्दों का समाधान 7 दिनों में और बड़े मुद्दों पर 3 महीने के भीतर कार्य शुरू करने की योजना है।

कोहिनूर समिति ने किया दो दर्जन शिक्षकों का सम्मान

सुरज वर्मा

भीलवाड़ा कार्यालय प्रतिलिपि कोहिनूर सेवा समिति के तत्वावधान में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर रेलवे स्टेशन स्थित सेठ गजाधर मानसिंह का धर्मशाला में शिक्षक सम्मान- 2025 का आयोजन किया गया। समिति के प्रदेश संयोजक कवि रामनिवास रोनी राज ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्री मानव हित सामाजिक सेवा संस्थान की प्रदेश उपाध्यक्ष मधु पांडे थी वही अध्यक्षता सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर एस.एस. गंभीर ने की। विशिष्ट

अतिथि राजेश पाटनी थे।कार्यक्रम का शुभारंभ सुप्रसिद्ध कथा वाचक बाल व्यास दीपा दाधीच की सरस्वती वंदना से हुआ।इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली दो दर्जन शैक्षणिक प्रतिभाओं को तिलक लगाकर उपरणा पहनाकर व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया- विद्यालय संचालक अर्जुन देवलिया, दिनेश छिपा, रामपाल शर्मा व तेज सिंह चौहान, कथा वाचक दीपा दाधीच, अध्यापिका सरोज शर्मा,शारदा प्रजापत, भगवती बाला पारीक, मोहनी शर्मा,मधुबाला दाधीच, अध्यापक आलोक त्रिपाठी, धर्मेंद्र सिंह, राजेश पवार, मंजुला राजपूत, चंचल शर्मा, सुनीता गुर्जर,सुश्री संध्या सोनी,सुमन सोनी,विजेश पहाड़िया, रेखा बुनकर रिया शर्मा आदि को सम्मानित किया गया। नैनवा बूंदी से आए कवि बृज सुंदर सोनी की नीरज की तर्ज पर विषय परक गजलों ने खूब तालियां बटोरी, कथा वाचक दीपा दाधीच के भजनो ने माहौल को भक्ति मय बना दिया,।

प्रभारी मंत्री ने कांस्टेबल चालक संदीप शर्मा के घर पहुंच कर शोक व्यक्त किया

देश का दर्पण न्यूज,धौलपुर (धर्मेन्द्र बिधौलिया) 6 सितंबर।

गृह राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम शनिवार को धौलपुर दौरे पर रहे । इस दौरान वह सड़क हादसे में मृत पुलिस कांस्टेबल चालक संदीप शर्मा के घर पहुंचें। प्रभारी मंत्री ने कानि. संदीप शर्मा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर शोक व्यक्त किया। इस दौरान शोक संतप्त परिवार को ढांढस बांधते हुए उन्होंने कहा कि संदीप शर्मा हमारे परिवार का सदस्य था, उसकी कमी हमें खलेगी, उनके जाने के बाद हम परिवार के साथ खड़े हैं। इस दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी, पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने भी पुलिस कांस्टेबल चालक संदीप शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शोक व्यक्त किया।

साइबर पुलिस ने दो ठगों को दबोचा, 2.15 लाख रुपए की धोखाधड़ी का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर-पूर्वी दिल्ली के साइबर थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खुद को वित्तीय कंपनी का एक्जीक्यूटिव बताकर एक शख्स से 2,15,681 रुपए की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता वसीम (30), पुत्र रहीसुद्दीन, निवासी जोहरिपुर, जो गाजियाबाद में डेयरी व्यवसाय चलाते हैं, ने पुलिस को बताया कि 25 फरवरी 2025 को उन्हें एक व्यक्ति का कॉल आया। उसने खुद को एक नामी वित्तीय कंपनी का अधिकारी बताते हुए उन्हें लोन की पेशकश की, जिसके बाद वसीम लोन लेने के लिए राजी हो गए। ठगों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि लोन मंजूरी के लिए बीमा पॉलिसी खरीदना अनिवार्य है। इसके बाद उन्होंने वसीम के नाम से नामी बीमा कंपनियों की फर्जी पॉलिसियां जारी कीं और पॉलिसी शुल्क, बैंक चार्ज और लोन प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर उनसे बड़ी रकम अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा ली। शिकायतकर्ता को कई बार पैसे देने के बावजूद कोई लोन उपलब्ध नहीं कराया गया।

दिल्ली: पॉक्सो केस का आरोपी को किया गिरफ्तार, चार बार जारी हुए थे गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली । दक्षिण-पश्चिम जिले के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र की पुलिस ने पॉक्सो केस में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। आरोपी गौरव अग्नानी (32) की पहचान मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के ताहिरपुर मोरार निवासी के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ चार बार गैर-जमानती वारंट (गैर जमानती वारंट) जारी हो चुके थे, लेकिन वह लगातार कानून की प्रक्रिया से बचने की कोशिश कर रहा था। जानकारी के मुताबिक, सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में फरार और वांछित आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सरोजिनी नगर थाने के इंस्पेक्टर अतुल त्यागी के नेतृत्व में हेड कॉन्स्टेबल हरिराम और कॉन्स्टेबल प्रवीण की टीम गठित की गई थी। एसीपी सफदरजंग एन्क्लेव की देखरेख में यह पूरी कार्रवाई की गई। 4 सितंबर को पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि पॉक्सो केस का एक आरोपी क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और आरोपी गौरव अग्नानी को दबोच लिया। जांच में पता चला कि उसके खिलाफ पहले से ही कुल चार गैर-जमानती वारंट अलग-अलग पते पर जारी किए जा चुके थे।

दिल्ली: पहाड़गंज में स्कूल के बाहर चाकूबाजी मामले को पुलिस ने सुलझाया, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में स्कूल के बाहर चाकूबाजी की घटना को पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझा लिया। इस मामले में तीन नाबालिग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनकी उम्र 15 और 16 साल है। साथ ही, पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किए गए चाकू और घटनास्थल से टूटी हुई बीयर की बोतल को बरामद किया। यह घटना है। 15 वर्षीय एक छात्र पहाड़गंज पुलिस स्टेशन पहुंचा, जिसके सीने में चाकू धंसा हुआ था। अपनी पहचान के साथ छात्र ने बताया कि स्कूल गेट पर कुछ छात्रों ने उस पर हमला किया था। इसके बाद, उसे तुरंत कलावती सरन अस्पताल पहुंचाया गया और बाद में आरएमएल अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने चाकू निकाला। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, अपने बयान में घायल छात्र ने खुलासा किया कि आरोपी छात्र 'एस' अपने साथियों के साथ मिलकर उसे पीटने का मौका तलाश रहा था। घटना वाले दिन जब वह स्कूल से निकल रहा था, आरोपी और उसके दो दोस्तों ने उसे स्कूल के गेट पर बुलाया और उससे झगड़ा करने लगे।

नालों की सफाई नहीं कराने पर बने बाढ जैसे हालात : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने डिसिल्टिंग नहीं कराई जिससे दिल्लीवालों को बारिश के बाद तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। श्री केजरीवाल ने यहां शास्त्री पार्क में दिल्ली सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए लगाए गए राहत कैंपों का दौरा कर कहा कि दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। तमाम इलाकों में पानी भर गया है। लोग अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन शिविरों में भी तमाम परेशानियां हैं, खाने और पानी तक का ठीक इंतजाम नहीं है। लोग बारिश के नीचे रात गुजराने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया है, क्योंकि भाजपा सरकार ने डिसिल्टिंग नहीं कराई थी। इसलिए दिल्लीवालों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर भारत के तमाम हिस्सों में भारी बारिश की वजह से तबाही हो रही है। केंद्र सरकार ने जैसे भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान के लिए राहत सामग्री भेजी, वैसे ही सरकार को इन राज्यों की ओर भी ध्यान देना चाहिए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यमुना के जलस्तर को लेकर सभी जिलाधिकारियों के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। खतरे के निशान के ऊपर बह रही यमुना के जलस्तर को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के सभी जिलाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर यमुना के जलस्तर और भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 24×7 मॉनिटरिंग जारी रहे, राहत कार्य में कोई ढिलाई न हो और हर दिल्लीवासी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। उन्होंने कहा कि सरकार की पूरी टीम सतर्क है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली में खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर बह रही यमुना का जलस्तर मामूली नीचे आया जो दोपहर एक बजे 207.22 मीटर दर्ज किया गया है। यमुना में खतरे का निशान 205.33 है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार गुरुवार से यमुना के जलस्तर में

गिरावट दर्ज की गई है। दोपहर एक बजे जलस्तर 207.22 मीटर पर दर्ज किया गया है। इस दौरान हरियाणा के हथिनी कुंड बांध से 88462 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। हालांकि यमुना से सटे इलाके पूरी तरह से जलमग्न दिखाई दे रहे हैं। जल भराव के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यमुना किनारे बसे लोग अपने पशुओं को लेकर सड़कों पर बस गए हैं, जिसके कारण कई इलाकों में जाम की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली में हो रही बारिश ने लोगों की मुश्किलें और बना रखी हैं। प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है। हरियाणा के हथिनी कुंड बांध से लगातार पानी छोड़े जाने से उफान पर आई यमुना और पिछले कई दिनों से हो रही बारिश से राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव बना हुआ है। सिविल लाइंन के बेला रोड स्थित स्वामी नारायण मंदिर परिसर में पानी भर गया है। आईएसबीटी कश्मीरी गेट के आसपास बुधवार से जल भराव की स्थिति बनी हुई है, जिसकी वजह से यातायात काफी धीमा है। राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ की चेतावनी कई दिनों पहले से जारी है। दिल्ली का निगमबोध घाट और वासुदेव घाट डूबा पड़ा है।

जेपी नड्डा ने एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी रद्द की, पंजाब समेत दूसरे राज्यों में बाढ़ के हालात को देखते हुए फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आवास पर आयोजित होने वाली एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी को रद्द कर दिया है। यह निर्णय पंजाब समेत देश के कई हिस्सों में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए लिया गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर शनिवार को एनडीए सांसदों के लिए 'डिनर' पार्टी होनी थी। डिनर का आयोजन उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर किया जाना था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शामिल होना था। फिलहाल, जानकारी सामने आई है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की तरफ से इस आयोजन को रद्द करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव होने हैं। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि 'इंडिया' ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है। उपराष्ट्रपति चुनाव जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद हो रहे हैं। 21 जुलाई की रात को जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल, संख्या के लिहाज से एनडीए के सीपी राधाकृष्णन अपने प्रतिद्वंद्वी और 'इंडिया' ब्लॉक के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में कुल 245 सदस्यों में से 233 सांसद हैं। भाजपा के निचले सदन में 240 और उच्च सदन में 102 सांसद हैं। वाईएसआरसीपी (11 सांसद) ने पहले ही एनडीए के उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा कर दी है, जिससे राधाकृष्णन के समर्थन की संख्या 433 तक पहुंच गई है, जो कि निर्णायक बहुमत है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ प्रदर्शन पर भारत ने जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के कई शहरों में हुए एंटी-इमिग्रेंट (प्रवासन के खिलाफ) प्रदर्शनों पर चिंता जताई है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत चिंताओं का संज्ञान लेते हुए माना है कि यह प्रदर्शन उनके बहुसांस्कृतिक समाज के लिए चिंता का विषय हो सकता है। भारत ने आश्वासन दिया है कि वह विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ हाल ही में हुए प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता ने कहा कि 31 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के कई शहरों में एंटी-इमिग्रेंट प्रदर्शन हुए। इस दौरान भारत का उच्चायोग और महावाणिज्य दूत लगातार ऑस्ट्रेलियाई सरकार और भारतीय समुदाय के संपर्क में रहे। जायसवाल ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की सरकार और विपक्ष दोनों के वरिष्ठ नेताओं ने बयान जारी कर वहां की बहुसांस्कृतिक पहचान को समर्थन दिया है। उन्होंने भारतीय ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के योगदान को भी सराहा और स्वीकार किया कि

भारतवंशियों ने ऑस्ट्रेलिया की तरक्की और विकास में अहम भूमिका निभाई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत विविधता को ताकत मानता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें लोगों के बीच का जुड़ाव बहुत महत्वपूर्ण है। यही आपसी संबंध दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत सरकार विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। इस सिलसिले में भारत लगातार ऑस्ट्रेलियाई सरकार और वहां के प्रवासी संगठनों के संपर्क में है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर मनरेगा की उपेक्षा का आरोप लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आज अपने पोस्ट में इस योजना के 20 साल पूरा होने पर इसे दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजना करार दिया। हालांकि उन्होंने इस सरकार में योजना के अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के नियमों के मुताबिक किसी योजना को वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में 60 फीसदी से ज्यादा बजट खर्च करने की अनुमति नहीं है लेकिन पांच महीनों में ही इस योजना का 60 फीसदी बजट खत्म हो चुका है। इससे करोड़ों ग्रामीण परिवारों के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संकट सरकार की मनरेगा को कमजोर करने की रणनीति का हिस्सा है। पिछले 11 सालों से मनरेगा को

पर्याप्त बजट नहीं मिला और महंगाई के बावजूद तीन साल से इसका बजट स्थिर है। इससे मांग-आधारित योजना का मकसद कमजोर हुआ है और लाखों मजदूरों को जरूरत के समय काम नहीं मिला है। उन्होने आरोप लगाया कि योजना के तहत मजदूरी भुगतान में देरी आम है जिसमें 15 दिन की वैधानिक समयसीमा का पालन नहीं होता। हर साल बजट का 20-30 फीसदी हिस्सा पिछले बकाये चुकाने में खर्च होता है और मुआवजा भी नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि 11 सालों में इस योजना के तहत मजदूरी में मामूली वृद्धि हुई जिससे आय का संकट बढ़ा है। सरकार ने पारदर्शिता के नाम पर नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएमएस) ऐप और आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) लागू की जिसके कारण करीब 2 करोड़ मजदूरों को काम और भुगतान नहीं मिला। कांग्रेस महासचिव रमेश ने मांग की कि मनरेगा का बजट बढ़ाया जाए और मजदूरी समय पर दी जाए। योजना के तहत न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन करने और मजदूरी दर तय करने के लिए स्थायी समिति बनाए जाने की मांग की। उन्होंने केन्द्र से एनएमएमएस और एबीपीएस जैसी प्रणालियों को अनिवार्य करने पर रोक लगाने का भी अनुरोध किया।

पीएमएवाई-यू 2.0: केंद्र ने शहरी आवासों के निर्माण में तेजी लाने को शुरू किया अंगीकार अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शहरों में गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को पक्का घर देने के लिए 'अंगीकार 2025' अभियान शुरू किया है। यह अभियान प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के तहत हो रहे घरों के निर्माण में तेजी लाएगा।

केंद्रीय आवास और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में इस अभियान की शुरुआत की। इस अभियान में विधवाओं, एकल महिलाओं, विकलांगों, बुजुर्गों, ट्रांसजेंडरों, अनुसूचित जाति और जनजाति, अल्पसंख्यकों, सफाई कर्मियों, सड़क पर दुकान लगाने वालों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मजदूरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके तहत 1 करोड़ परिवारों को पक्का घर बनाने या खरीदने के लिए 2.5 लाख रुपये तक की मदद मिलेगी। साथ ही उन्हें पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का फायदा भी मिलेगा। इस अभियान के तहत कम आय वाले लोगों को ऋण जोखिम गारंटी निधि के बारे में भी बताया जाएगा।

अभियान का शुभारंभ करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि अंगीकार 2025 सरकार की उस सोच को दिखाता है, जो गरीबों और कमजोर वर्गों तक मदद पहुंचाने की है। यह अभियान दूसरी योजनाओं के साथ मिलकर देश का विकास करेगा। यह सबके लिए घर के सपने को पूरा करने का बड़ा कदम है। यह अभियान 4 सितंबर से 31 अक्टूबर तक देश के 5 हजार से ज्यादा शहरों और कस्बों में चलेगा। इसमें घर-घर जाकर लोगों को बताया जाएगा, ऋण मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए उन्हें जोड़ा जाएगा।

पीएमएवाई-यू के तहत अब तक 120 लाख घरों को मंजूरी मिली है, जिनमें 94.11 लाख घर बनकर लोगों को दिए जा चुके हैं। अंगीकार 2025 अभियान से बाकी बचे घरों को जल्दी पूरा करने में मदद मिलेगी। इसी साल 17 सितंबर को पीएमएवाई-यू 2.0 की पहली सालगिरह पर आवास दिवस भी मनाया जाएगा। साथ ही 17 से 27 सितंबर और 16 से 31 अक्टूबर के बीच दो चरणों में जिला मुख्यालयों और बड़े शहरों में पीएम आवास मेला-शहरी का आयोजन भी होगा। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2024 में शुरू हुई पीएमएवाई-यू 2.0 का लक्ष्य अगले पांच साल में एक करोड़ और घर बनाना है। यह योजना चार तरह से काम करती है। लाभार्थी खुद घर बनाएं, साझेदारी में सस्ते घर, किराए के सस्ते घर और ब्याज पर छूट। हाल ही में असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 2.35 लाख घरों को मंजूरी मिली, जिनमें 1.25 लाख से ज्यादा महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए हैं। शुभारंभ के मौके पर राज्यमंत्री तोखन साहू, मंत्रालय के सचिव निवास कटिकिथला, संयुक्त सचिव कुलदीप नारायण और कई अधिकारी मौजूद थे। कुलदीप नारायण ने राज्यों के अधिकारियों के साथ मिलकर अभियान को सफल बनाने की योजना के बारे में भी बताया।

पीएम मोदी बाढ़ प्रभावित राज्यों का करेंगे दौरा, राहत कार्यों का लेंगे जायजा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित उत्तर भारत के कई राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान वो बाढ़ प्रभावित राज्यों में स्थिति की समीक्षा करेंगे। पीएम मोदी का यह दौरा लगातार बारिश से हुई तबाही के बीच हो रहा है, जिसने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है और बुनियादी ढांचे और कृषि को भारी नुकसान पहुंचाया है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण इस मौसम में 500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पिछले दो दिनों में भूस्खलन, अचानक बाढ़ और मकान ढहने से दर्जनों लोगों की जान चली गई है। राजमार्ग अवरुद्ध हैं, नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, फसलें नष्ट हो गई हैं और हजारों लोग फंसे हुए हैं क्योंकि यह क्षेत्र दशकों में सबसे खराब मौसम आपदाओं में से एक का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जहां मानसून की शुरुआत से अब तक 360 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, 1,087 सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं, जबकि 2,838 बिजली आपूर्ति लाइनें और 509 जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हैं। अनुमान के मुताबिक 3,979.52 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है, जिससे सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के बुनियादी ढांचे प्रभावित हुए हैं।

भारत-सिंगापुर ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-सिंगापुर रक्षा कार्य समूह की 16वीं बैठक में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहलों के दौरान लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा के बाद दोनों पक्षों ने संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके समकक्ष लॉरेंस वोंग के बीच नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद यह वार्ता सिंगापुर में हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप पर चर्चा हुई। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग तीन दिन की यात्रा पर 02 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचे और गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके समकक्ष लॉरेंस वोंग के बीच नई दिल्ली में हुई बैठक को लेकर जारी संयुक्त वक्तव्य के बाद रक्षा कार्य समूह की 16वीं बैठक सिंगापुर में हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और सिंगापुर रक्षा मंत्रालय के नीति कार्यालय के निदेशक कर्नल डैक्सन याप ने की। बैठक में पिछले रक्षा मंत्रियों की वार्ता और विभिन्न द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहलों के दौरान लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में रक्षा दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने और बहुआयामी द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे के संपूर्ण क्षेत्र को कवर करने वाली पहलों की गति तेज करने का फैसला लिया गया। दोनों पक्षों ने चल रहे रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया और सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों, विशेष रूप से प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, उद्योग एवं प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और बहुराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में, को बढ़ाने के

उपायों की पहचान की। बैठक में सह-अध्यक्षों ने सहयोग के उभरते क्षेत्रों और वैश्विक साझा हितों से संबंधित मुद्दों की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों पर भी प्रकाश डाला। बैठक के दौरान संयुक्त सचिव ने उप-सचिव नीति बीजी फ्रेडरिक चू से भी मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान चांगी नौसैनिक अड्डे पर सूचना संलयन केंद्र और आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक साइबर सुरक्षा एवं सूचना उत्कृष्टता केंद्र का भी दौरा किया। वर्ष 2025 में भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने पर दोनों सह-अध्यक्षों ने रक्षा सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

कांग्रेस ने आखिरी गलती की, जवाब बिहार की जनता देगी: शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली। कांग्रेस की केरल इकाई द्वारा बिहार की तुलना 'बीड़ी' से करने पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने इसे कांग्रेस की आखिरी गलती करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस गलती का जवाब बिहार की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में देगी। बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बिहार के लोगों के दिलों पर चोट पहुंचाई है। कांग्रेस ने बीड़ी जलाई है, लेकिन जिगर बिहार के लोगों का जला है। उन्होंने कहा कि वे बिहार के लोगों की तुलना बीड़ी से कर रहे हैं, कभी रेवंत रेड्डी और एमके स्टालिन से गाली दिलवाते हैं तो कभी वोटर अधिकार यात्रा के मंच से पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पूरी सेना गाली-गलौच पर उतर आई है और बिहार की जनता इन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बयान पर भाजपा नेता ने कहा कि बिहार में एनडीए पूरी तरह एकजुट है और सभी सहयोगी दल मिलकर नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

यमुना के जलस्तर में गिरावट जारी, बाढ़ से प्रभावित फसलों के आकलन का निर्देश : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना के जलस्तर में फिलहाल गिरावट जारी है और दिल्ली वालों को घबराने की जरूरत नहीं है। यमुना का जलस्तर सात बजे 207.09 दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह खुद हालात पर लगातार निगरानी रख रही है और प्रशासन बाढ़ प्रभावितों की 24×7 मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में भोजन, पानी, चिकित्सा, शौचालय सुविधाओं के अलावा जरूरी मदद लगातार उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों को बाढ़ से प्रभावित फसलों का आकलन करने का निर्देश दिया गया है।राजधानी में बाढ़ की स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों के हालात और पीड़ितों को जरूरी मदद को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कैंप कार्यालय च्मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' से डिविजनल कमिश्नर व सभी जिलों के डीएम के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की और जरूरी व स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना में बाढ़ का पानी लगातार कम हो रहा है और संभव है कि हालात जल्द सामान्य हो जाएं। इसके

बावजूद हमारी सरकार बाढ़ प्रभावितों की लगातार मदद में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ अफसरों को कहा गया है कि वे बाढ़ से प्रभावित इलाकों में चौबीस घंटे निगरानी रखें और राहत शिविरों में भोजन, पानी, चिकित्सा, शौचालय व अन्य जरूरी सेवाओं का उचित प्रबंध करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों की जान-माल की रक्षा करना हमारी सरकार का प्रमुख दायित्व है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण यमुना में आई बाढ़ के कारण नदी के निचले इलाकों में बसे लोगों को वहां से हटाना पड़ा। इमारी सरकार ने इन बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत शिविरों का इतंजाम किया है और वहां उनका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी डीएम को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं बाढ़ प्रभावित बुजुर्गों, महिलाओं व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी रख रहा है। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर वे क्षेत्र के सामाजिक संगठनों की भी मदद लें ताकि बाढ़ प्रभावितों को त्वरित व समय पर मदद मिल सके। सभी डीएम को यह भी निर्देश दिए गए हैं बाढ़ प्रभावित किसानों के मवेशियों व अन्य जानवरों को बाढ़ से सुरक्षित रखा जाए और उनके चारे आदि की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार सरकारी अमला प्रभावित इलाकों की लगातार निगरानी कर यह सुनिश्चित कर रहा है कि किसी प्रकार की गंभीर नुकसान से बचा जा सके। यही हमारी सरकार का नैतिक व प्रशासनिक दायित्व है। उन्होंने डीएम को यह भी निर्देश जारी किए हैं कि वे बाढ़ से प्रभावित फसलों का भी आकलन करें ताकि उन्हें पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा देने पर भी गंभीरतापूर्वक विचार किया जा सके।

बिहार की तुलना बीड़ी से करने पर घिरी कांग्रेस, मांगी माफी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की केरल प्रदेश इकाई द्वारा बिहार की तुलना बीड़ी से करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे राज्य के लोगों का अपमान बताया है। भाजपा ने मोदी सरकार के जीएसटी सुधारों का विरोध करने के लिए केरल कांग्रेस द्वारा किए गए इस एक्स पोस्ट को बिहार विरोधी करार देते हुए प्रदेश को बुद्ध की धरती और अखंड भारत का निर्माता बताया। हालांकि इस प्रकरण पर विवाद बढ़ता देख केरल कांग्रेस ने पोस्ट डिलीट कर दिया और माफी भी मांग ली। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां को गाली दी और अब बिहार को बीड़ी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि क्या तेजस्वी यादव इस अपमान का समर्थन करते हैं? तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, डीएमके और कांग्रेस की बिहार के प्रति नफरत साफ दिखती है।भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस और राजद बिहार विरोधी हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने पहले भी बिहारियों का अपमान करने वालों का साथ दिया है।बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इस पोस्ट पर कहा कि लोकतंत्र मर्यादा और लोकलाज के सहारे चलता है। अगर सत्ता की इच्छा मर्यादा को भूल जाए, तो जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि भारत की जनता लोकतंत्र को कमजोर नहीं होने देगी।पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस कितना नीचे गिर सकती है, पहले प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान हुआ, अब बिहार की तुलना बीड़ी से की गई। उन्होंने राहुल गांधी से जवाब मांगा और कहा कि बिहार के गौरव का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा।केरल भाजपा के महामंत्री अनूप एंटनी जोसेफ ने कहा कि कांग्रेस ने बुद्ध की धरती बिहार को बीड़ी से जोड़कर अपमान किया। उन्होंने बिहारवासियों से अपील की कि वे इस अपमान को वोट के जरिए याद रखें।बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार ने अखंड भारत का निर्माण किया और ज्ञान-विज्ञान की भूमि रहा है। इस अपमान का जवाब बिहार की जनता देगी।जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि बी से सिर्फ बीड़ी नहीं, बुद्धि और बजट भी होता है, जो कांग्रेस के पास नहीं है। उन्होंने बिहार की गौरवशाली विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि यह मां जानकी, बुद्ध, सम्राट अशोक और स्वतंत्रता संग्राम के नायकों की धरती है। बिहार ने गांधी को राष्ट्रपिता बनाया और संपूर्ण क्रांति के जरिए कांग्रेस की तानाशाही को उखाड़ फेंका।

एक जैसे दिखने वाले नाशपाती और बब्बूगोशा में क्या-क्या है फर्क, न्यूट्रिशनल वैल्यू भी जानें

मौसम के हिसाब से मार्केट फल आते रहते हैं. जो स्वाद में तो लाजवाब होते ही हैं. साथ ही शरीर को कई तरह के न्यूट्रिशन भी देते हैं. इस वक्त बाजार में नाशपाती और बब्बूगोशा काफी देखने को मिल रहा है, जो दिखने कुछ हद तक एक जैसे लगते हैं. लेकिन न्यूट्रिशन के मामले में दोनों काफी अलग हैं.

फल हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी होते हैं. इनमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं. हर मौसम में अलग-अलग फल आते हैं, जिन्हें लोग अपनी डाइट में शामिल करते हैं. जैसे गर्मियों में आम, तरबूज और खरबूजा खूब खाया जाता है. वहीं, बरसात में अमरूद, नाशपाती और बब्बूगोशा मार्केट में छाया रहता है. नाशपति और बब्बूगोशा दो ऐसे फल हैं, जो दिखने में एक जैसे लगते हैं. जब भी बाजार में ये दो फल आते हैं तो कुछ लोग इन्हें एक ही समझ लेते हैं. दोनों का हल्का हरा रंग, बनावट और यहां तक की दाम भी कभी-कभी मिलता-जुलता होता है.

लेकिन अगर ध्यान से देखा जाए तो ये अलग ही होते हैं. वहीं, स्वाद के मामले में भी नाशपाती और बब्बूगोशा में काफी अंतर होता है. चलिए आज इस आर्टिकल में जानते हैं एक जैसे दिखने वाले नाशपाती और बब्बूगोशा के न्यूट्रिशन वैल्यू में कितना फर्क है और सेहत के लिहाज से कौन सा फल ज्यादा बेहतर है.

नाशपाती और बब्बूगोशा में ये है अंतर

नाशपाती को अंग्रेजी में क्द्दड्ढह् के नाम से जाना जाता है. जबकि बब्बूगोशा को देसी माना जाता है. दोनों के अंग्रेजी में सर्च करने पर क्द्दड्ढह् ही दिखाता है. नाम एक जैसे होने की वजह से भी कई लोग इसमें कंफ्यूज हो जाते हैं. हालांकि, इनमें कुछ अंतर होता है. जैसे नाशपाती का ऊपर का छिलका हार्ड होता है, वहीं बब्बूगोशा का छिलका सॉफ्ट होता है. टेस्ट की बात करें तो नाशपाती रसीली तो होती है लेकिन इसमें हल्का सा कड़वा स्वाद में आता है. लेकिन दूसरी तरफ बब्बूगोशा स्वाद में काफी मीठा और रसीला होता है. इसका गूदा सॉफ्ट होता है.

नाशपाती और बब्बूगोशा के न्यूट्रिशन

नाशपाती के पोषक तत्वों की बात करें तो, इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है. इसके अलावा ये विटामिन सी, विटामिन के, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम और एंथोसायनिन भी पाया जाता है. फाइबर होने की वजह से ये वजन कंट्रोल करने वालों के लिए एक अच्छा ऑप्शन है. साथ ही शरीर को इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट पाचन को बेहतर बनाता है.

दूसरी तरफ बब्बूगोशा की बात करें तो इसमें भी फाइबर पाया जाता है. इसके अलावा विटामिन छ्, विटामिन च, पोटैशियम और फ्लेवोनोइड्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये पाचन के लिए बेहतर है. बब्बूगोशा में पानी की मात्रा में अच्छी होती है, ऐसे में ये शरीर को हाईड्रेट रखने के लिए काफी अच्छा ऑप्शन माना जाता है.

सेहत के लिए कौन है बेहतर ?

नाशपाती और बब्बूगोशा दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. दोनों ही फलों में अच्छी खासी मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं. फाइबर के लिए नाशपाती और बब्बूगोशा दोनों ही अच्छे सोर्स हैं, जो वजन कंट्रोल करने से लेकर पाचन बेहतर करने में लाभकारी हैं. हालांकि, नाशपाती में बब्बूगोशा के मुकाबले ज्यादा कैलोरी होती है. आप अपनी जरूरत के हिसाब से दोनों में से किसी भी फल को डाइट में शामिल कर सकते हैं.

असहिष्णुता है, 'टैरिफ युद्ध' की वजह

भारत पर अधिकतम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा अमेरिका ने दुनिया के लगभग 67 देशों पर व्यापार टैरिफ लगाया है

भारत पर अधिकतम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा अमेरिका ने दुनिया के लगभग 67 देशों पर व्यापार टैरिफ लगाया है। व्यापार शुल्कों में यह वृद्धि और कमी भारत के विरुद्ध एक सुनियोजित लेन-देन के रूप में देखी जा सकती है। स्पष्ट है, डोनाल्ड ट्रंप भारत को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रहे हैं। भारत पर अमेरिकी व्यापार शुल्कों का प्रभाव बहुत बड़ा होगा

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से जारी शीतयुद्धकी समाप्ति ने अमेरिका को विश्व की एकमात्र शक्ति बना दिया था। दुनिया के लगभग सभी देश अमेरिका के इर्द-गिर्द प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहे थे। इस अवसर का लाभ उठाकर अमेरिका ने अपने पूंजी बाजार का विस्तार और पूरी दुनिया में पूंजीवाद को सक्रिय करने का प्रयास किया।

अमेरिका के उकसावे पर %विश्व व्यापार संगठन% (डब्ल्यूटीओ) ने दुनियाभर में व्यापार का विस्तार करके अमेरिकी पूंजी बाजार को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करने का असफल प्रयास किया था। व्यापार के आधार पर दुनिया के बंट जाने से अमेरिका के हितों को भारी नुकसान पहुंचा। शीतयुद्ध में सोवियत संघ अमेरिका के प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरा था, लेकिन बाद में रूस, चीन और जापान जैसी महाशक्तियां अमेरिका के सामने आईं। भारत, इजरायल और ब्राजील भी विकासशील देशों की सूची से उठकर विकसित देशों की दौड़ में शामिल हो गए। ऐसे में अमेरिका का नेतृत्व दुनिया में काफी हद तक अप्रभावी होता गया।

इसी तरह पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बाद ईरान को परमाणु शक्ति-संपन्न देशों की सूची में शामिल करने से अमेरिका का प्रभाव दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है। जब व्यापार ने दुनिया को कई क्षेत्रों में बांट दिया है और इसके कारण अमेरिकी पूंजी बाजार को व्यापक नुकसान पहुंच रहा है, तब अमेरिका असहिष्णु हो गया है। इसी असहिष्णुता के परिणामस्वरूप अमेरिका ने अपने आयातों को लेकर पूरी दुनिया को फिर से एक क्षेत्र में बदलने की कोशिश शुरू कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां दुनिया के कई देशों पर व्यापार कर (टैरिफ) बढ़ाकर उनकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं वे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करके अमेरिका को फिर से दुनिया का नंबर एक देश बनाने का सपना देख रहे हैं। इसी वजह से वे अमेरिका को फिर से महान बनाओ (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन, मागा) का आह्वान कर रहे हैं।आज व्यापार पूरी दुनिया के देशों, उनकी अर्थव्यवस्थाओं और करोड़ों लोगों को नियंत्रित कर रहा है। देशों के बीच व्यापार आधारित असहिष्णुता फैल रही है। विशेष रूप से अमेरिका इस असहिष्णुता का शिकार हुआ है और इसके परिणामस्वरूप विश्व में एक नया युद्ध शुरू हो गया है, जिसे कई लोग टैरिफ युद्ध या व्यापार युद्ध का नाम दे रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में 2018 से 2021 के बीच कुछ क्षेत्रों में टैक्स लगाए थे। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप 2025 से व्यापार-करों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं और अमेरिका को फिर से दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने, अमेरिकी सीमा की सुरक्षा, कनाडा और मेक्सिको के साथ संघर्ष को समाप्त करने, विश्व में शांति और स्थिरता बनाए रखने, परमाणु युद्ध की भयावहता से बचने आदि की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वे कर-युद्ध फांद रहे हैं; लेकिन इसका कारण वह नहीं है जो कहा या प्रकाशित किया जा रहा है।इस युद्ध का मुख्य कारण असहिष्णुता है। इसी वजह से अमेरिका की पहल पर दुनिया एक व्यापार युद्ध में प्रवेश कर गई है। ट्रंप को अपने पहले कार्यकाल के दौरान चीन पर 20 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाने के लिए आलोचना का सामना भी करना पड़ा था, जिससे अमेरिका में 60 प्रतिशत चीनी आयात प्रभावित हुए थे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा था। मई 2019 में ट्रम्प ने पड़ोसी मेक्सिको पर 25 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाने की धमकी दी थी, जिससे मेक्सिको को अमेरिकी आधीनता स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।सन् 2020 में ट्रंप प्रशासन ने कनाडा और मेक्सिको के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौता कहा जाता है, जिसने इन देशों के बीच व्यापार पर टैरिफ को समाप्त कर दिया।

इस समझौते के छह महीने बाद ट्रंप प्रशासन ने कनाडा से एल्युमीनियम आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसे कनाडा के विरोध के बाद वापस ले लिया गया। ट्रंप का पहला कार्यकाल विवादास्पद था और वे उससे सीखने में विफल रहे। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की दुनिया भर में अमेरिकी व्यापार टैरिफ का विस्तार करने के लिए आलोचना हुई। उसने दुनिया को एक और आर्थिक मंदी में धकेल दिया।भारत पर अधिकतम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा अमेरिका ने दुनिया के लगभग 67 देशों पर व्यापार टैरिफ लगाया है। व्यापार शुल्कों में यह वृद्धि और कमी भारत के विरुद्ध एक सुनियोजित लेन-देन के रूप में देखी जा सकती है। स्पष्ट है, डोनाल्ड ट्रंप भारत को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रहे हैं। भारत पर अमेरिकी व्यापार शुल्कों का प्रभाव बहुत बड़ा होगा और इसका असर शुरू भी हो चुका है। भारत के पास अतिरिक्त कर वृद्धि से बचने का एक अवसर था, लेकिन भारत सरकार ने ट्रंप प्रशासन से इस पर चर्चा नहीं की। परिणामस्वरूप अमेरिका को भारत का वार्षिक निर्यात, जो 48 मिलियन डॉलर का है, सीधे प्रभावित होगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा है कि भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 66 प्रतिशत प्रभाव पड़ेगा। इसका असर वस्त्र, परिधान, आभूषण, पशुओं की खाल, जूते, पशु उत्पाद आदि के निर्यात पर पड़ेगा।

भारत को असली नुकसान उसके पड़ोसी देशों से होगा। अमेरिका ने भारत के पड़ोसियों और अन्य एशियाई देशों जैसे चीन, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम जैसे देशों पर बहुत कम व्यापार कर लगाए हैं। उन देशों का सामान अमेरिकी बाजार में सस्ता होगा और नतीजे में ये पड़ौसी देश भारत से ज़्यादा समृद्ध होंगे। अमेरिका ने भारत में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, दवाओं और ऊर्जा उत्पादों पर कर नहीं लगाया है, लेकिन अन्य क्षेत्रों में भारत में बेरोजगारी निश्चित है।

ऐसे में भारत के पास यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व के देशों और अफ्रीकी देशों में अपने व्यापार का विस्तार करने का एक विकल्प है। भारत अमेरिकी आयात पर व्यापार कर बढ़ा सकता है।

अबकी बार (की) ट्रम्प सरकार भारतीयों को युद्धबंदी बनाकर हाथ-पैर में हथकड़ी-बेडी लगाकर वापस भेजने, ऑपरेशन सिंदूर को समाप्त करने, विश्व मंच पर भारत को कई बार अपमानजनक परिस्थितियों में डालने और भारत को नुकसान पहुंचाने के अनगिनत प्रयासों के काम कर रही है। अमेरिका के अपराधियों में से एक भारतीय साहूकार को बचाने की कोशिश में 140 करोड़ लोगों को असहनीय पीड़ा में धकेला जा रहा है। यह साहूकार प्रेम और अमेरिका की असहिष्णुता के कारण करोड़ों भारतीयों को युद्ध के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

संपादकीय

राहतकारी जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय-समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन-स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था। वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है। वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है।

लगातार अनिश्चित हो रही विधेयकों के अनुमोदन की समय-सीमाएं

इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है ।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा राज्यपालों और राष्ट्रपति को उनके पास भेजे गए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए निर्धारित तीन महीने की समय-सीमा, जिसकी अब मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संवैधानिक पीठ द्वारा पुनर्परीक्षा की जा रही है, लगातार अनिश्चित होती जा रही है।

यह मामला, जो मूल निर्णय के समय सुलझा हुआ प्रतीत हो सकता था, अब नाजुक होता जा रहा है क्योंकि राष्ट्रपति के संदर्भ की सुनवाई के माध्यम से व्यापक संवैधानिक सिद्धांत सामने आ रहे हैं। दो-न्यायाधीशों के निर्णय की स्थिरता अनिश्चित प्रतीत होती है, न केवल बड़ी पीठ के संदेह के कारण, बल्कि अप्रैल के निर्णय में निहित अस्पष्टताओं के कारण भी, जो अनपेक्षित परिणामों के द्वार खुले छोड़ देती हैं। दांव पर केवल विधायी प्रक्रियाओं की दक्षता ही नहीं, बल्कि संवैधानिक पाठ, न्यायिक रचनात्मकता और अनजाने में नए संवैधानिक मानदंडों के निर्माण के जोखिमों के बीच संतुलन भी है।

शुरू से ही, 8 अप्रैल के इस फैसले की कुछ हलकों में राज्यपालों द्वारा राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोके रखने की लगातार शिकायतों के समाधान के रूप में सराहना की गई। राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेने के लिए अनिवार्य करने वाले इस आदेश को जवाबदेही बढ़ाने और कार्यपालिका की मनमानी को रोकने के रूप में देखा गया। हालांकि, इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप प्रतीत होता था, लेकिन इसमें अपनाई गई विधि, जो संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लिखित नहीं, एक कठोर समय-सीमा लागू करना–समस्याओं से भरी थी।अब राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार कर रही बड़ी पीठ ने पहले ही इस तनाव को चिह्नित कर दिया है और आगाह किया है कि समय-सीमा अनिवार्य करना वास्तव में संविधान में संशोधन के समान हो सकता है। यह तर्क इस मूलभूत सिद्धांत पर आधारित है कि दस्तावेज़ के निर्माताओं ने, व्यापक बहस के बाद, संबंधित कार्यकारी प्राधिकारियों पर ऐसी सख्तियां लागू करने से जानबूझ कर परहेज़ किया था। इसके बजाय, उन्होंने दुरुपयोग को रोकने के लिए असाधारण मामलों में परंपराओं, राजनीतिक ज़िम्मेदारी और न्यायिक निगरानी पर भरोसा किया। एक निश्चित अवधि को संवैधानिक मौन मानने का प्रयास करके, दो-न्यायाधीशों की पीठ ने शायद एक ऐसी सीमा पार कर ली है जिसे नेकनीयत न्यायिक नवाचार भी उचित नहीं ठहरा सकते।

बड़ी पीठ ने एक सूक्ष्म दृष्टिकोण व्यक्त किया है। यह असाधारण विलंब के मामलों में अदालतों के हस्तक्षेप की वैधता को स्वीकार करता है, जहां सहमति न देना या निष्क्रियता स्पष्ट रूप से लोकतांत्रिक इच्छाशक्ति को नष्ट करती है। ऐसा हस्तक्षेप उपचारात्मक है, जिसका उद्देश्य संवैधानिक विघटन के विशिष्ट उदाहरणों को संबोधित करना है। हालांकि, इस मामले में विशिष्ट उपाय को हर स्थिति में लागू होने वाले एक सार्वभौमिक नियम में परिवर्तित करने से वैचारिक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इससे न्यायपालिका के लिए संवैधानिक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से पुनर्लेखन करके एक विधायी कार्य संभालने का जोखिम पैदा होता है। पीठ की आशंका है कि ऐसा दृष्टिकोण संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह भविष्य में न्यायिक रूप से निर्धारित समय-सीमाओं को चुनौती देने वाले मुकदमों की संभावना को खुला छोड़ देता है, जिससे समाधान के बजाय अधिक अस्थिरता पैदा होती है।8 अप्रैल के फैसले में न्यायिक समीक्षा के अपने व्यवहार में भी अस्पष्टताएं हैं। इसने सही ही पुष्टि की कि विधेयकों को लंबित रखने में राज्यपाल का आचरण न्यायिक जांच से परे नहीं है। यह कथन इस सिद्धांत के अनुरूप है कि कोई भी संवैधानिक पदाधिकारी जवाबदेही से मुक्त नहीं है, खासकर जब निष्क्रियता प्रतिनिधि लोकतंत्र को कमजोर करती है। फिर भी, यह निर्णय ऐसी समीक्षा के दायरे को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में विफल रहा।विशेष रूप से, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या जांच केवल आचरण तक ही सीमित है–अर्थात विलंब तक–या क्या यह विधेयकों के सार को भी शामिल कर सकती है। निर्णय यह सुझाव देता प्रतीत होता है कि एक बार जब किसी विधेयक को निर्धारित अवधि बीत जाने के कारण स्वत-स्वीकृ ति मिल जाती है, तो राज्यपाल की पूर्व निष्क्रियता को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन क्या इससे संबंधित विधेयकों की विषयवस्तु, आशय और संवैधानिक वैधता की भी जांच करने का रास्ता खुलता है? यदि बिना किसी ठोस समीक्षा के स्वत- स्वीकृति प्रदान कर दी जाती है, तो संभावना है कि संदिग्ध संवैधानिक योग्यता वाले विधेयक

बिना किसी जांच के पारित हो सकते हैं। इसके विपरीत, यदि न्यायालय स्वयं विषयवस्तु की जांच में शामिल होते हैं, तो यह न्यायिक वीटो के समान हो सकता है, जो शक्तियों के पृथक्करण को कमजोर करता है।

इन विवादों को सुलझाने के लिए स्पष्ट संस्थागत रास्तों के अभाव से दुविधा और भी जटिल हो जाती है। संविधान में नियंत्रण और संतुलन की एक ऐसी व्यवस्था की परिकल्पना की गई है जहां राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में, राज्य के विधानों में संवैधानिक औचित्य की रक्षा में एक सीमित लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, विधेयकों पर अनिश्चित काल तक रोक लगाकर इस पद का दुरुपयोग करने से यह सुरक्षा अवरोध का साधन बन गया है। इस असंतुलन को दूर करने की न्यायपालिका की प्रवृत्ति समझ में आती है, लेकिन एक कठोर ढांचा लागू करके, अप्रैल के फैसले ने एक और संतुलन- न्यायिक व्याख्या और संवैधानिक संशोधन के बीच की रेखा- को बिगाड़ने का प्रयास किया। वृहद पीठ की चिंता, सुविधावाद की आड़ में न्यायिक अतिक्रमण के खतरे को उजागर करती है।इस अनिश्चितता के व्यावहारिक परिणाम दूरगामी हैं। यदि 8 अप्रैल का फैसला बरकरार रहता है, तो राज्यपालों और राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिससे पूर्वानुमानितता पैदा होगी और विधायी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। फिर भी, ऐसा करने से, यह उस विचार-विमर्श की गुंजाइश को भी कम कर देता है जिसका संविधान निर्माताओं ने इरादा किया होगा, खासकर उन मामलों में जहां विधेयक जटिल संवैधानिक या नीतिगत प्रश्न उठाते हैं। दूसरी ओर, यदि वृहद पीठ द्वारा फैसले को खारिज कर दिया जाता है, तो अनिश्चितकालीन विलंब की यथास्थिति वापस आ जाएगी, जब तक कि संसद स्वयं समय-सीमा तय करने के लिए हस्तक्षेप न करे, जो एक राजनीतिक रूप से जटिल प्रस्ताव है। किसी भी स्थिति में, गहरा सवाल अनसुलझा रहता है- जब विधेयकों में देरी हो रही हो, तो न्यायिक समीक्षा का वैध दायरा क्या होना चाहिए? क्या न्यायपालिका केवल यह आकलन करने तक सीमित है कि क्या देरी अनुचित है, या क्या वह आगे बढ़कर विधेयकों की प्रकृति की जांच कर सकती है, जब तक कि स्वीकृति न मिल जाए?

अप्रैल के फैसले में स्पष्टता की कमी से मुक़दमों की बाढ़ आने का ख़तरा है। उदाहरण के लिए, तीन महीने की राज्यपालीय चुप्पी के बाद स्वत- कानून बन जाने वाले किसी विधेयक को बाद में संवैधानिक कमज़ोरियों के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। तब अदालतों को न केवल स्वत- स्वीकृति तंत्र की वैधता पर, बल्कि स्वयं कानून की मूल संवैधानिकता पर भी निर्णय लेने के लिए कहा जाएगा। यह दो-स्तरीय मुक़दमेबाज़ी उस निश्चितता को प्रदान करने के बजाय जटिलता की परतें बढ़ाएगी जिसका दावा इस फैसले में किया गया था। यह राज्यपालों को रणनीतिक रूप से पीछे हटने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, यह जानते हुए कि विवादास्पद विधेयक, एक बार स्वत- स्वीकृति मिलने के बाद, वैसे भी न्यायिक बाधाओं का सामना करेंगे। ऐसा परिणाम विरोधाभासी रूप से उसी समस्या को और मज़बूत कर सकता है जिसका समाधान अप्रैल के फैसले में किया गया था।

बड़ी पीठ के समक्ष चल रही सुनवाई इन तनावों को दूर करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। न्यायिक रचनात्मकता लंबे समय से भारतीय संवैधानिक कानून की एक पहचान रही है, मूल संरचना सिद्धांत से लेकर मौलिक अधिकारों की व्यापक व्याख्याओं तक। फिर भी, व्याख्या और संशोधन के बीच एक रेखा, चाहे कितनी भी धुंधली क्यों न हो, रही है। 8 अप्रैल के फैसले पर बहस उस सीमा की नाजुकता को उजागर करती है। समय-सीमाएं निर्धारित करके, दो न्यायाधीशों की पीठ ने भले ही नेकनीयती से प्रयास किया हो, शायद हद पार कर दी हो। बड़ी पीठ का सतर्क दृष्टिकोण इस जागरूकता को दर्शाता है कि संवैधानिक मौन का सम्मान किया जाना चाहिए, भले ही वे कभी-कभी कार्यपालिका के अवरोधों की अनुमति देते हों।

शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 13 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव और टैरिफ संबंधी आशंकाओं की वजह से विदेशी निवेशक इस साल लगातार घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली करके अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। इस वजह से बाजार में उनकी हिस्सेदारी भी लगातार कम हो रही है। अगस्त के महीने में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 13 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी अभी तक सबसे ऊंचे स्तर पर है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने में विदेशी निवेशकों की गई बिकवाली के चलते अब भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो असेट्स 70.33 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गए हैं, जबकि 1 महीने पहले भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो असेट्स 71.97 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर थे। यानी अगस्त के महीने में इसमें लगभग 2.30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने के अंत तक विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी भारतीय शेयर बाजार में घटकर 15.85 प्रतिशत रह गई है। विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी जहां लगातार घट रही है, वहीं भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेश को हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है।

लेज ने चमिट्टी की चिट्ठी' पहल के जरिए भारतीय किसानों को किया सम्मानित, स्पेशल पैक किए लॉन्च

नई दिल्ली। पेप्सिको इंडिया के पोटैटो चिप्स ब्रांड्स लेज ने भारतीय किसानों के चित्रों वाली एक सीमित-संस्करण पैक लॉन्च किए हैं। ये पैक आलू उगाने वालों और उन्हें खाने वालों के बीच के संबंध को उजागर करते हैं। सीमित समय के लिए चुनिंदा बाजारों में उपलब्ध ये लिमिटेड एडिशन क्लासिक साल्टेड पैक अब देशभर के रिटेल स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध होंगे। इसकी कीमत 50 रुपये है। लेज ने मिट्टी से मुस्कान तक की इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए पहली बार लिमिटेड एडिशन पैक पेश किया है। इस पैक में भारतीय किसानों को दर्शाया गया है। लेज ने अपने प्रतिष्ठित पैक को एक कहानी कहने वाले कैनवास में बदल दिया है, जिससे आलू उगाने वाले किसानों और उन्हें खाने वाले उपभोक्ताओं के बीच जुड़ाव और गहरा हो गया है। प्रत्येक पैक उपभोक्ताओं को उत्पाद का आनंद लेने के साथ-साथ खेत से लेकर पैक तक की यात्रा के बारे में जानने का अवसर देता है। लेज के इन पैक की खासियत है पुरुष और महिला किसानों के हाथ से बने चित्र, जिनके चारों ओर खेती और फसल कटाई के जीवंत दृश्य दर्शाए गए हैं, जो मिट्टी से स्नैक तक की यात्रा को जीवंत कर देते हैं। लेज का यह सीमित संस्करण वाले पैक उपभोक्ताओं के लिए मिट्टी की चिट्ठी लेकर आए हैं। लेज की एक फिल्म जो किसान और जमीन के बीच के रिश्ते को दर्शाती है।

रुपया नए निचले स्तर पर, डॉलर के मुकाबले 11 पैसे गिरकर 88.27 पर बंद हुई भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली करने और भारत के आईटी सेक्टर पर अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ लगाए जाने की आशंका की वजह से भारतीय मुद्रा रुपये डॉलर की तुलना में अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। भारतीय मुद्रा रुपये ने आज डॉलर की तुलना में 11 पैसे फिसल कर सबसे कमजोर क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 88.27 (अनंतिम) के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की बढ़त के साथ 88.10 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। हालांकि आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये पर लगातार दबाव बढ़ता गया, जिसकी वजह से रुपये की गिरावट बढ़ती चली गई। विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से अपने पैसे की निकासी करने और अमेरिका द्वारा भारत के आईटी सेक्टर पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की अफवाह की वजह से मुद्रा बाजार में रुपये पर काफी दबाव बढ़ गया। इस अफवाह की वजह से रुपया डॉलर की तुलना में अभी तक सबसे निचले स्तर 88.38 तक गिर गया। हालांकि बाद में अतिरिक्त टैरिफ से जुड़ी खबरों का खंडन आने के बाद रुपये की स्थिति में कुछ सुधार हुआ।

चार्टर्ड स्पीड ने 855 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली। अहमदाबाद की चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 855 करोड़ रुपये जुटाने की है। शेयरों को एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक प्रति शेयर रुपये अंकित मूल्य वाले प्रस्तावित ये इश्यू 655 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम और प्रमोटरों पंकज गांधी और अल्का पंकज गांधी का क्रमशः 200 करोड़ रुपये तक के बिक्री प्रस्ताव है। इसमें पात्र कर्मचारियों का सदस्यता आरक्षण भी शामिल है, जबकि कर्मचारी आरक्षण वाले हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट भी दी जा रही है। कंपनी 655 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग 98 करोड़ रुपये मूल्य की इलेक्ट्रिक बसों में निवेश करेगी। इसके अलावा कंपनी 396.4 करोड़ रुपये का कुछ उधारों का पूर्व-भुगतान या पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में आया 32,500 करोड़ का निवेश, 17,000 लोगों को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र आया 32,500 करोड़ का निवेश आया है। यह प्रदेश सरकार की निवेश परक सार्थक प्रयासों और विकासउन्मुख नीतियों सकारात्मक परिणाम बताया जा रहा है। टोरेंट पॉवर और अडानी पॉवर जैसी बड़ी कंपनियों ने तो अब ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रदेश में काम करना भी शुरू कर दिया है। टोरेंट पॉवर कंपनी 22 हजार करोड़ और अडानी पॉवर कंपनी 10 हजार 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 17,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। जनसंपर्क अधिकारी क्रांतिदीप अलूने ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवेश संवर्धन प्रयासों के फलस्वरुप ऊर्जा क्षेत्र और ज्यादा मजबूत हो रहा है। ऊर्जा सुरक्षा बढ़ रही है। मध्य प्रदेश पॉवर सरप्लस राज्य के रूप में पहचान बना चुका

है। ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से अब इस क्षेत्र में नया निवेश आ रहा है। उन्होंने बताया कि टोरेंट पॉवर 1600 मेगावॉट थर्मल प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश में 22 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। टोरेंट पॉवर लिमिटेड को एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) से 1,600 मेगावॉट के कोयला आधारित बिजली संयंत्र की स्थापना के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) दे दिया है। यह अहमदाबाद-स्थित समूह द्वारा बिजली क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। अलूने ने बताया कि यह परियोजना ग्रीनफील्ड 2×800 मेगावॉट की अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित होगी और इसे डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, स्वामित्व और संचालन (डीबीएफओओ) मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा।

टोरेंट इस संयंत्र की पूरी क्षमता एमपीपीएमसीएल को 25 साल की पॉवर परचेज एग्रीमेंट पॉवर परचेस एग्रीमेंट के तहत 5.829 रुपये प्रति यूनिट की दर से आपूर्ति करेगा। यह परियोजना पीपीए पर हस्ताक्षर होने के 72 महीनों के भीतर चालू होनी है। परियोजना लागत का लगभग 70फीसदी ऋण के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के स्वदेशी अभियान को नागपुर सम्मेलन में मिलेगी धारः प्रवीण खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सपना अब तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से थोपा गया टैरिफ एक चुनौती नहीं, बल्कि अवसर है। खंडेलवाल ने यहां कांस्टीट्यूशन क्लब में कैट, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, हॉकर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता मोर्चा द्वारा आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग यह प्रण लेता है कि हर दुकान, हर बाजार, हर रेहड़ी पर स्वदेशी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विदेशी वस्तुओं का विकल्प केवल स्वदेशी ही होगा। अमेरिकी टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार-प्रसार एवं उपभोग को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रेस कांफ्रेंस में संयुक्त रूप से घोषणा की गई कि 15 और 16 सितंबर को नागपुर में ÷व्यापारी जुटान -राष्ट्रीय सम्मेलन' आयोजित होगा, जिसमें देशभर से 400 से अधिक व्यापारी नेताओं, हॉकर्स संगठनों, उपभोक्ता मंचों एवं उद्योग प्रतिनिधियों की मौजूदगी होगी। इस सम्मेलन के बाद राष्ट्रीय स्वदेशी अभियान पूरे देश के गांव-गांव, कस्बों और शहरों तक चलाया जाएगा। व्यापारी जुटान को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि देशभर में 10 करोड़ से अधिक व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले और छोटे रिटेल व्यवसायी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 82 लाख करोड़ रुपये के व्यापार से जुड़े हैं। आने वाले 10 वर्षों में यह आंकड़ा 190 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन अमेजन और वालमार्ट जैसी बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियां अवैध माध्यम से बाजार में घुसपैठ कर रही हैं, जिससे छोटे व्यापारी गंभीर संकट में हैं।

जापान के इवाते प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर और जेआईसीए के प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात के मुख्यमंत्री से की भेंट

एजेंसी

अहमदाबाद। जापान के इवाते प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर सासाकी जून के नेतृत्व में जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) के प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2025 में सहभागी होने के लिए भारत आया है। इस बीच प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात में कार्यरत जापानी सेमीकॉन इंडस्ट्रीज की यात्रा की। यह प्रतिनिधिमंडल धोलेरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसआईआर) में कार्यरत सेमीकॉन उद्योगों की साइट भ्रमण करने के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मिला। उसने राज्य सरकार द्वारा जापानी उद्योगों को मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त किया। राज्य में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज के तेजी से बढ़ रहे दायरे से भी यह प्रतिनिधिमंडल प्रभावित हुआ है।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक-चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत-जापान के बीच द्विपक्षीय संबंधों से राज्य में

सेमीकंडक्टर सेक्टर में जापानी उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। गुजरात चार सेमीकंडक्टर प्लांट वाला राज्य है और सेमीकंडक्टर हब बनने की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है।इस संदर्भ में उन्होंने राज्य में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जापान के इवाते प्रीफेक्चर के साथ टेक्निकल सपोर्ट तथा स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रैक्टिकल नॉलेज, उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादों के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालीन परस्पर सहयोग की उत्सुकता व्यक्त की। इस बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एम. के. दास, वित्त विभाग के प्रधान सचिव टी. नटराजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव पी. भारती तथा वरिष्ठ अधिकारी सहभागी हुए।

भारतीय कपड़ा उद्योग पर कितनी है संकट की घड़ी अमेरिकी टैरिफ का विकल्प हैं 40 नए बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका ने हाल ही में भारतीय कपड़ा और परिधान उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक का भारी-भरकम टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। यह फैसला केवल एक व्यापारिक कदम नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार समीकरणों में बदलते संतुलन का भी प्रतीक है। इस निर्णय ने भारतीय कपड़ा उद्योग को चिंता में डाल दिया है, क्योंकि अमेरिका भारत के लिए वर्षों से एक प्रमुख निर्यात बाजार रहा है। लेकिन हर संकट अपने भीतर अवसर भी छिपाए होता है। सवाल यह है कि क्या भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाएगा? क्या हमारे कपड़ा निर्यातक अमेरिकी बाजार पर निर्भरता घटाकर नए बाजारों में टिकाऊ पैठ बना सकेंगे? और क्या केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस विशाल उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत बना पाएंगी?भारतीय कपड़ा उद्योग का अतीत इस संबंध में बताता है कि यह क्षेत्र कठिनाइयों से घबराकर पीछे हटने वाला नहीं है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चरमरा गई थी और लाखों श्रमिकों की रोजी-रोटी पर संकट मंडरा रहा था, तब भी यही उद्योग धीरे-धीरे उठ खड़ा हुआ और आज पहले से अधिक मजबूत दिखाई देता है। यही वजह है कि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह का दावा है कि अमेरिकी टैरिफ से झटका जरूर लगेगा, लेकिन यह पूरे उद्योग को डिगा नहीं पाएगा। भारत का कुल कपड़ा और परिधान निर्यात लगभग 40 से 45 बिलियन डॉलर का है। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी केवल 8 से 10 प्रतिशत है। इस हिस्से में भी 50 से 60 प्रतिशत निर्यात सिर्फ 5 से 7 बड़े व्यापारी करते हैं। यानी अमेरिका पर निर्भरता इतनी व्यापक नहीं है जितनी दिखाई देती है। दरअसल, इसका अर्थ यह हुआ कि बड़े निर्यातक तो प्रभावित होंगे, लेकिन छोटे और मध्यम स्तर के व्यापारी तुलनात्मक रूप से कम संकट में रहेंगे। फिर भी यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिकी टैरिफ ने प्रतिस्पर्धा की चुनौती को और बढ़ा दिया है। अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और तुर्की जैसे देशों की पकड़ पहले से ही मजबूत है। जब भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगेगा, तो अमेरिकी खरीदार विकल्प तलाशने में देर नहीं करेंगे। ऐसे में भारत को अपनी रणनीति बदलनी ही होगी। यही वजह है कि सरकार ने इस चुनौती का जवाब बाजार विविधीकरण के रूप में दिया है। कपड़ा मंत्रालय ने 40 नए संभावित बाजारों की पहचान की है, जिनमें यूनाइटेड किंगडम, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड्स, पोलैंड, कनाडा, मैक्सिको, बेल्जियम, तुर्की और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं।

तूतुकोडी का वीओसी बंदरगाह बना देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाला बंदरगाह

एजेंसी

तूतुकोडी (तमिलनाडु)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज यहां वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर देश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन पायलट परियोजना शुरू की, जिससे यह बंदरगाह ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन करने वाला पहला बंदरगाह बन गया।इस मौके पर सोनोवाल ने 35.34 करोड़ रुपये की हरित मेथनॉल बंकरिंग सुविधा, 59.20 करोड़ रुपये का 6 मेगावाट पवन फार्म, 90 करोड़ रुपये का मल्टी-कार्गो बर्थ, 34.77 करोड़ रुपये की 4-लेन सड़क और 3 करोड़ रुपये का तमिलनाडु समुद्री विरासत संग्रहालय की नींव भी रखी। साथ ही, 1.46 करोड़ रुपये का 400 किलोवाट रूफटॉप सौर संयंत्र और 24.50 करोड़ रुपये का कोल जेटी-कन्वेयर सिस्टम भी शुरू किया। उन्होंने रेल कनेक्टिविटी के लिए आईपीआरसीएल और हरित

मोबिलिटी के लिए एनटीपीसी के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए।

इसके तहत 3.87 करोड़ रुपये की हरित हाइड्रोजन परियोजना बंदरगाह की स्ट्रीट लाइटों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हाइड्रोजन बनाएगी, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेट-जीरो मिशन को बढ़ावा देगी। हरित मेथनॉल परियोजना कांडला तूतीकोरिन हरित शिपिंग कॉरिडोर में सहयोगी साबित होगी। इस सौर संयंत्र से बंदरगाह की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 1.04 मेगावाट हो गई, जो देश के बंदरगाहों में सबसे ज्यादा है। ये परियोजनाएं तमिलनाडु में हजारों नौकरियां पैदा करेंगी, व्यापार बढ़ाएंगी और 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में योगदान देंगी। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समुद्री क्षेत्र अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। साल 2047 तक विकसित भारत की उनकी अपील /आह्वान गति, पैमाने, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का मिश्रण है। तमिलनाडु में शुरू की जा रही परियोजनाएं हजारों रोजगार सृजित करेंगी, व्यापार को बढ़ावा देंगी और वैश्विक निवेश आकर्षित करेंगी। इससे तमिलनाडु 2027 तक भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में योगदान देगा। वीओसी बंदरगाह नवीकरणीय ऊर्जा और हरित बंकरिंग के साथ भारत का हरित हाइड्रोजन और अमोनिया केंद्र बनेगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ दो दिवसीय 'पीएसबी मंथन' करेगा वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के शीर्ष नेतृत्व के साथ अगली पीढ़ी के बैंकिंग सुधारों पर दो दिवसीय 'पीएसबी मंथन' करेगा। 12 सितंबर से शुरू होने वाले 'पीएसबी मंथन' में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शीर्ष प्रबंधन के लोग भाग लेंगे। इसका मकसद देश में बैंकिंग गतिविधियों को आसान बनाना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पीएसबी के शीर्ष नेतृत्व के साथ अगली पीढ़ी के सुधारों को गति देने के लिए बैंकों के साथ इस तरह का पिछला मंथन अप्रैल, 2022 में आयोजित किया गया था। तब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के संपूर्ण नेतृत्व ने वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की देखरेख में उन्नत पहुंच और सेवा उत्कृष्टता (ईज) सुधारों को अगले स्तर तक ले जाने पर चर्चा की गई थी। च्ईज' नवंबर 2017 में आयोजित च्पीएसबी मंथन' की सिफारिशों पर आधारित है। पिछले मंथन में पीएसबी के कामकाज की समीक्षा करने और ग्राहक सेवा, डिजिटलीकरण, मानव संसाधन प्रोत्साहन, कॉरपोरेट प्रशासन

और सहयोग में सुधार के उपाय सुझाने के लिए छह कार्य समूहों का गठन किया गया था। पीएसबी मंथन का नया दौर पीएसयू बैंकों के संचयी लाभ के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने की पृष्ठभूमि में आयोजित होगा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 26 फीसदी की वृद्धि है।

रेनॉल्ट भी कार की कीमतों में करेगी 96,395 रुपये की कटौती, नई दरें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा और रेनॉल्ट इंडिया ने शनिवार को अपनी कारों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती का ऐलान किया है। नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से शुरू होने वाली सभी कारों की डिलीवरी पर लागू होंगी। हालांकि, देशभर के डीलरशिप पर संशोधित कीमतों पर बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। रेनॉल्ट इंडिया ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि वह अपनी कारों की कीमतों में 96,395 रुपये तक की कटौती करेगी, जिससे हाल ही में जीएसटी की दरों में की गई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को मिलेगा। कंपनी ने कहा कि नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर, 2025 से शुरू होने वाली सभी डिलीवरी पर लागू होंगी। रेनॉल्ट इंडिया के एमडी वेंकटराम मामिलपल्ले ने जारी बयान में कहा, जीएसटी 2.0 का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना ग्राहकों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा मानना है कि यह समय पर की गई पहल न केवल हमारी

कारों को और अधिक सुलभ बनाएगी, बल्कि त्योहारी सीजन के दौरान मांग को भी बढ़ावा देगी। नई जीएसटी व्यवस्था के तहत छोटी कारों पर 18 फीसदी, जबकि बड़ी कारों पर 40 फीसदी जीएसटी लगेगा। कंपनी के नवीनतम संशोधनों के साथ रेनॉल्ट इंडिया के मॉडल अब पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं। एंट्री-लेवल पर रेनॉल्ट क्विड की शुरुआती कीमत अब केवल 4.29 लाख रुपये है, जबकि रेनॉल्ट काइगर और रेनॉल्ट ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। वेरिएंट के आधार पर कीमतों में 40,095 रुपये से लेकर 96,395 रुपये तक की कटौती की गई है। 22 सितंबर से नई कर दरें लागू होने के साथ ऑटो कंपनियां ग्राहकों को जीएसटी का लाभ देने की तैयारी कर रही हैं। इसी के तहत टाटा मोटर्स ने शुक्रवार देर रात अपनी कारों की कीमतों में 1.40 लाख रुपये की कटौती की घोषणा की थी। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आज कहा कि वह कीमत में 1.56 लाख रुपये तक की कटौती करेगी और इसका पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। वहीं, मारुति सुजुकी इंडिया से भी जल्द ही कीमतों में कटौती की घोषणा करने की उम्मीद है।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहन 22 सितंबर से 1.45 लाख रुपये तक होंगे सस्ते

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर में हुई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने के इरादे से अपने यात्री वाहनों की कीमतों में 65 हजार रुपये से 1.45 लाख रुपये तक की कटौती करने का ऐलान किया है। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। टाटा मोटर्स ने जारी बयान में कहा कि कंपनी ने अपने यात्री वाहनों के लिए कर की दरों में कटौती करने का फैसला जीएसटी परिषद के बुधवार को लिए गए फैसले के अनुरूप लिया है। कंपनी ने कहा कि यात्री वाहनों की कीमतों में यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएगी। मुंबई स्थित कंपनी ने कहा कि टाटा मोटर्स की छोटी कार टियागो अब 75,000 रुपये सस्ती हो जाएगी, जबकि टिगोर के दाम में 80 हजार रुपये और अल्ट्रोज की कीमत में 1.10 लाख रुपये की कटौती होने जा रही है। इसी तरह कॉम्पैक्ट एसयूवी च्नंच' की कीमत 85,000 रुपये और नेक्सॉन के दाम 1.55 लाख रुपये तक घट जाएंगे। कंपनी ने बताया कि मिड-साइज मॉडल च्कर्व' की कीमत में 65,000 रुपये की कमी होगी। वहीं, प्रीमियम एसयूवी मॉडल च्हैरियर' और च्सफारी' की कीमतों में क्रमशः 1.4 लाख रुपये और 1.45 लाख रुपये तक की कटौती की जाएगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) शैलेश चंद्रा ने कहा, च्प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण, वित्त मंत्री की मंशा और हमारी च्ग्राहक प्रथम' नीति के अनुरूप टाटा मोटर्स इस कर सुधार का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' चंद्रा ने कहा कि जीएसटी कटौती से टाटा मोटर्स की लोकप्रिय कारें और एसयूवी ज्यादा ग्राहकों की पहुंच में आएंगी, जिससे पहली बार वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को मदद मिलेगी और नए युग के परिवहन की तरफ बदलाव को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जीएसटी की नई कर के तहत अब 1,200 सीसी तक के पेट्रोल, एलपीजी एवं सीएनजी वाहन और 1500 सीसी तक के डीजल वाहन (लंबाई 4,000 मिमी से कम) 18 फीसदी की दर में आएंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.23 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का विदेश मुद्रा भंडार 29 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.23 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.39 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक

ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 29 अगस्त को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर बढ़कर 583.94 अरब डॉलर हो गई। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.77 अरब डॉलर बढ़कर 86.77 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक कि इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) चार करोड़ डॉलर बढ़कर 18.77 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर पर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715 अंक लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी भी आई। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से शेयर बाजार निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.009 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.027 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल और बैंकिंग इंडेक्स भी मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, आईटी, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होने और सपाट स्तर पर बंद होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 16 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.44 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.28 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 16 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,260 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,134 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,957 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,776 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,365 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 294.41 अंक उछल कर 81,012.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 318.55 अंक की बढ़त के साथ 81,036.56 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715.37 अंक टूट कर 396.82 अंक की कमजोरी के साथ 80,321.19 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 390 अंक की रिकवरी करके 7.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में डकैतों ने वाहनों पर की गोलीबारी, 10 लोगों को किया अगवा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हथियारबंद डकैतों ने वाहनों पर हमला कर 10 लोगों को अगवा कर लिया। यह वारदात बुधवार देर रात रहीम यार खान जिले के भोंग शरीफ के पास एम-5 मोटर-वे पर हुई। इस दौरान डकैतों ने गुजर रहे वाहनों को निशाना बनाया। गोलीबारी में कई लोग घायल भी हो गए। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर में पुलिस के हवाले से बताया गया कि घातक हथियारों से लैस डकैतों के एक समूह ने कारों, दो बसों, ट्रकों और ट्रेलरों पर गोलीबारी की। गोलीबारी में एक महिला और एक बच्चे सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रहीम यार खान के शेख जायद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने मोटर-वे पर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया। पुलिस ने पुष्टि की कि डकैत 10 लोगों को अगवा कर अपने साथ ले गए हैं। इनमें यात्री और ट्रक ड्राइवर शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि गोलीबारी के बाद हमलावर नदी किनारे के कच्चा इलाकों की ओर भाग गए। कई ट्रक मोटरवे पर ही छोड़ दिए गए, और उनके चालक दल के सदस्य लापता हो गए। इससे कुछ दिन पहले रहीम यार खान पुलिस ने कुख्यात इंधर गिरोह के ठिकानों पर ड्रोन हमले किए थे।

नमाज के बाद मचा हंगामा : सूफी संत की कब्र तोड़ी

ढाका। बांग्लादेश में दो बड़ी हिंसक वारदातें सामने आईं। उग्र कट्टरपंथियों ने सूफी संत नूरा पगला की मजार से शव निकालकर आग के हवाले कर दिया। वहीं, राजधानी ढाका में जातीयः बांग्लादेश दो भयावह घटनाओं से दहल उठा। पहली वारदात में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने एक सूफी संत की मजार को अपवित्र कर उनके शव को आग के हवाले कर दिया। दूसरी ओर, जातीय पार्टी के दफ्तर में भीषण आगजनी की गई। इन घटनाओं ने पूरे देश में दहशत और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। गौरतलब है कि पिछले साल हुए तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में लगातार हिंसा बढ़ रही है, जहां खासकर मुस्लिम कट्टरपंथी अल्पसंख्यक समुदायों को अपना निशाना बना रहे हैं। पश्चिमी राजबारी जिले में जुमे की नमाज के बाद हालात अचानक बिगड़ गए। कुछ मुस्लिम कट्टरपंथियों ने सूफी दरवेश नूरा पगला की कब्र पर हमला कर दिया। नूरा पगला का निधन करीब दो हफ्ते पहले हुआ था। हमलावरों ने उनकी कब्र खोदकर शव को बाहर निकाला और आग के हवाले कर दिया। इतना ही नहीं, उनकी दरगाह को भी तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया गया। इस घटना के बाद नूरा पगला के समर्थकों और हमलावरों के बीच हिंसक झड़प छिड़ गई, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए।

रूस ने व्हाट्सएप को निशाना बनाया, इंटरनेट ब्लैकआउट बढ़ने पर नया 'सुपर-ऐप' किया लांच

मॉस्को। रूस के मीडिया नियामक रोस्कोम्नाडज़ोर द्वारा अगस्त के मध्य में लगाए गए नए प्रतिबंधों का लाखों रूसी नागरिकों को सामना करना पड़ रहा है। ये प्रतिबंध रूस में सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए की जाने वाली कॉल पर लगाए गए हैं। बीबीसी के मुताबिक इसी समय रूसी फर्म ने मैक्स नाम से एक नए राष्ट्रीय मैसेंजर एप को लांच किया है, जिसे क्रेमलिन नियंत्रित करता है। यदि देश में व्हाट्सएप और टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की आंकड़ों की बात करें तो कुल 14.30 करोड़ की आबादी में से व्हाट्सएप और टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या क्रमशः 9.7 और नौ करोड़ होने का अनुमान है। व्हाट्सएप की मालिकाना कंपनी मेटा को रूस में एक चरमपंथी संगठन घोषित किया गया है। यह एप विशेष रूप से बुजुर्ग लोगों के बीच खासा लोकप्रिय है क्योंकि इसमें पंजीकरण करना और इसका उपयोग करना बहुत आसान है। रूस के कुछ हिस्सों में खासकर दूरदराज और कम कनेक्टिविटी वाले इलाकों में व्हाट्सएप दोस्तों और सहकर्मियों के साथ चैटिंग से कहीं बढ़कर है। मोबाइल ब्राउज़िंग जब कभी-कभी बहुत धीमी हो जाती है, तो लोग स्थानीय मामलों में एक-दूसरे से बात करने, टैक्सी बुक करनेऔर खबरें साझा करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

अमेरिका और भारत के बीच तनावः ट्रम्प के मंत्री ने दी भारत को चेतावनी, रखी तीन शर्तें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन के एक वरिष्ठ मंत्री ने भारत को एक कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसे 'चक या दो महीने' के भीतर कुछ मुद्दों पर माफी मांगनी होगी। मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बयान दिया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। यह चेतावनी हाल ही में हुए एक अज्ञात व्यापारिक या कूटनीतिक विवाद से जुड़ी हुई मानी जा रही है। मंत्री ने भारत से माफी मांगने के लिए तीन शर्तें भी रखी हैं। पहली शर्त यह है कि भारत को एक विशेष व्यापारिक समझौते में अमेरिका को प्राथमिकता देनी होगी। दूसरी शर्त में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा मामले में भारत से सहयोग की मांग की गई है। तीसरी और सबसे कठोर शर्त यह है कि भारत को एक हालिया घटना के लिए सार्वजनिक तौर पर खेद व्यक्त करना होगा। इस बयान के बाद भारत सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, कूटनीतिक हलकों में इस बयान को बेहद आपत्तिजनक और कूटनीतिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जा रहा है।

ट्रंप के रूख में बड़ा बदलाव, बोले भारत के साथ रिश्ते अहम, मोदी अच्छे दोस्त

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाये जाने के बाद दोनों देशों में चल रही तनातनी के बीच पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ संबंधों को विशेष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अच्छा दोस्त बताये जाने वाले बयान और उस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सकारात्मक जवाब के बाद इस मुद्दे के समाधान की उम्मीद बढ गयी है। श्री ट्रंप ने अपने पहले दिये गये बयान से बारह घंटे में ही पलटते हुए व्हाइट हाउस में भारत के साथ रिश्तों को बेहद खास बताते हुए कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा अच्छे दोस्त रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वह महान प्रधानमंत्री हैं। दोनों देशों के संबंधों के बारे में श्री ट्रंप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के

साथ अच्छी बनती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी कहा कि लेकिन उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर नाराजगी भी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी इस तरह की बातें हो जाती हैं।

श्री मोदी ने शनिवार को इसके जवाब पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि वह श्री ट्रंप की भावनाओं का सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा , राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक एवं वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप ने इससे पहले चीन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद कहा था कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। लेकिन बारह घंटे के अंदर ही श्री ट्रंप ने अपने रूख को बदलते हुए भारत के साथ रिश्तों को अहम बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी प्रशंसा की और कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है।

एमके स्टालिन ने ऑक्सफ़ोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया

एजेंसी

लंदन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ब्रिटेन में लंदन स्थित प्रसिद्ध ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के सेंट एंथनी कॉलेज में गुरूवार को पेरियार के चित्र का अनावरण किया। यह अनावरण दिवंगत नेता के स्वाभिमान आंदोलन के सौ साल पूरा होने के उपलक्ष्य में स्वाभिमान आंदोलन और उसकी विरासत 2025 विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में स्टालिन ने चित्र के अनावरण को अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए कहा कि पेरियार के समानता के सिद्धांत सीमाओं से परे हैं और वे समूची मानवता से जुड़े हैं।

इस अवसर पर उन्होंने निचले तबकों के समुदायों के उत्थान के लिए विश्वस्तर पर आरक्षण की नीतियां अपनाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे पेरियार की सामाजिक न्याय की अवधारणा पूरी हो सकेगी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में महिलाओं को संपत्ति का समान अधिकार है और राज्य के मंदिरों में सभी धर्मों के लोग पुजारी बन सकते हैं। राज्य ने ऐसा कर समाज सुधार आंदोलन को राजनीतिक बल प्रदान किया है। इस अवसर पर उन्होंने दो पुस्तकों द द्रविड़ियन पाथवे और द कैम्ब्रिज कम्पैनियन टू पेरियार का भी विमोचन किया। बाद में सोशल मीडिया मंच पर अपने पोस्ट में स्टालिन ने चित्र के अनावरण को गर्व का क्षण बताते हुए खुद को पेरियार का पोता करार दिया। उल्लेखनीय है कि स्टालिन एक सप्ताह के विदेश दौरे पर हैं। इससे पहले वह जर्मनी में थे। उनकी विदेश यात्रा का लक्ष्य राज्य के लिए विदेशी निवेश की संभावनाएं तलाशना है।

वेनेजुएला ने 48 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी विध्वंसक पोत के आसपास सैन्य विमान उड़ाए

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। वेनेजुएला ने दक्षिण अमेरिका के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में 48 घंटे में दूसरी बार विध्वंसक पोत यूएसएस जेसन डनहम के आसपास सैन्य विमान उड़ाए हैं। रक्षा विभाग के कई अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने इस कार्रवाई को मुहावरे की भाषा में मुर्गी का खेल बताया। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह एफ-16 लड़ाकू विमान था। यह गुरुवार रात किसी समय डनहम के ऊपर से उड़ा। यह अज्ञात है कि विमान हथियारों से लैस था या नहीं।अधिकारियों ने बताया कि एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक डनहम ने कोई हमला नहीं किया। पेंटागन ने पहली घटना पर इसे बेहद भड़काऊ कदम बताया था। पेंटागन ने कहा था, हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने के लिए ऐसा किया गया। डनहम उन अमेरिकी युद्धपोतों में से एक है जिन्हें हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में भेजा गया है। पेंटागन का कहना है कि इन्हें आपराधिक संगठनों और मादक पदार्थ-आतंकवाद को निशाना बनाने के लिए तैनात किया गया है। राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप ने टिप्पणी की, मैं कहूंगा कि वे मुश्किल में पड़ जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर वेनेजुएला ने फिर से अमेरिकी नौसेना के जहाजों के ऊपर से जेट उड़ाए तो बहुत बुरा हो सकता है। ट्रंप ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन से भी बात की है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से कथित तौर पर ड्रग तस्करी करने वाली एक नाव पर हमला किया। इस हमले में 11 लोग मारे गए। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि नाव का संचालन ट्रेन डी अरागुआ गिरोह कर रहा था। अमेरिकी योजनाओं से परिचित एक सूत्र ने पुष्टि की कि अमेरिका ड्रग कार्टेलों को निशाना बनाने के लिए कैरिबियन में 10 एफ-35 लड़ाकू विमान भेज रहा है।

जॉर्जिया में हुंडई के संयंत्र से दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माता के 475 कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। आव्रजन अधिकारियों ने दक्षिण पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य जॉर्जिया स्थित हुंडई के एक संयंत्र से 475 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सभी एक प्रमुख दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माता के कर्मचारी है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक ही स्थान पर सबसे बड़ा होमलैंड सुरक्षा प्रवर्तन अभियान बताया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जॉर्जिया में होमलैंड सुरक्षा जांच के प्रभारी विशेष एजेंट स्टीवन श्रैंक ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एजेंटों ने गुरुवार को जॉर्जिया के एलाबेल में सवाना के पास हुंडई के इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी संयंत्र के निर्माण स्थल से 475 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से अधिकांश दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई कई महीनों तक चली एक जांच का परिणाम है। विशेष एजेंट श्रैंक ने कहा कि गिरफ्तार किए गए कर्मचारी या तो अवैध रूप से अमेरिका में थे या गैरकानूनी तरीके से काम कर रहे थे। इस अभियान का उद्देश्य कानून का पालन करने वाले व्यवसायों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। यह कर्मचारी बैटरी निर्माता एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के हैं। यह कंपनी हुंडई मोटर ग्रुप के साथ इस संयंत्र का सह-स्वामित्व रखती है। हुंडई ने स्वीकार किया है कि उसकी सहयोगी कंपनियों के कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। मगर इनमें हुंडई का एक भी कर्मचारी नहीं है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए गए लोगों में दक्षिण कोरियाई नागरिक भी शामिल हैं, हालांकि यह नहीं बताया कि कितने लोग हिरासत में हैं। इस बीच अटलांटा के आव्रजन वकील चार्ल्स कुक ने बताया कि उनके दो मुवक्किल वीजा छूट कार्यक्रम के तहत देश में थे। उन्हें भी पकड़ा गया है। एशियन अमेरिकंस एडवांसिंग जस्टिस के अटलांटा कार्यालय के संचार निदेशक जेम्स वू ने कहा कि वह पूरे दिन जॉर्जिया भर के दक्षिण कोरियाई निवासियों से फोन पर बात करते रहे। वू ने कहा, लोग सदमे में हैं। कूटनीतिज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप के इस अभियान ने दक्षिण कोरिया में कूटनीतिक चिंता पैदा कर दी है। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की मेजबानी की थी। इस दौरान दक्षिण कोरियाई नेता ने बैटरी निर्माण सहित संयुक्त राज्य अमेरिका में अतिरिक्त 150 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया था।

जॉर्जिया के गवर्नर और रिपब्लिकन ब्रायन केम्प ने कहा कि 7.6 अरब डॉलर की हुंडई ई.वी. फैक्टरी को राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी आर्थिक विकास परियोजना के रूप में प्रचारित किया गया है। इस अभियान के कारण के निर्माण कार्य रुक गया।

अमेरिका अगले साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी ट्रंप के गोल्फ कोर्स में करेगा

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका अगले साल 2026 में विश्व नेताओं के समूह-20 (जी-20) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के फ्लोरिडा के डोरल स्थित गोल्फ कोर्स और स्पा में करेगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मियामी में जी-20 सम्मेलन आयोजित करने के अपने निर्णय की घोषणा की। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रप ने शिखर सम्मेलन की तैयारियों का जिम्मा राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट को सौंपा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट इस सम्मेलन का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि ट्रंप डोरल में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी लागत पर करेंगे। विदेश विभाग या किसी विदेशी सरकार से कोई लाभ नहीं लेंगे। यह सम्मेलन 14-15 दिसंबर, 2026 को आयोजित किया जाएगा।

ट्रंप ने 150 मिलियन डॉलर में खरीदा था

ट्रंप ने 2020 में इस रिसॉर्ट में जी-7 शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई थी। व्यापक आलोचना के बाद उन्होंने यह विचार त्याग दिया। अंततः, कोविड-19 महामारी की शुरुआत के कारण इस सम्मेलन को रद्द कर दिया गया और वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया। यह रिसॉर्ट ट्रंप ने 2012 में 150 मिलियन डॉलर में खरीदा था।

चार गोल्फ कोर्स हैं

यह पहली बार 1960 के दशक में खुला था। मेट्रो मियामी के घनी आबादी वाले इलाके में स्थित यह मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उड़ान मार्ग के नीचे स्थित है। इसमें चार गोल्फ कोर्स, 48,000 वर्ग फीट का एक स्पा, 125 फीट की स्लाइड वाला एक विशाल पूल और 24,000 वर्ग फीट से अधिक का एक बॉलरूम शामिल है। मियामी के मेयर फ्रांसिस सुआरेज, ट्रंप की घोषणा के समय ओवल ऑफिस में मौजूद रहे। जी-20 एक आर्थिक मंच है, जिसमें 19 देश और दो अन्य समूह यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ शामिल हैं, जो दुनिया की अधिकांश सबसे बड़ी विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी-20 वेबसाइट के अनुसार, सदस्य देशों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 85फीसद और वैश्विक व्यापार में 75फीसद से अधिक की हिस्सेदारी है। यह जी-7, जिसमें अमेरिका, कनाडा, जापान और अन्य यूरोपीय शक्तियां शामिल हैं की तुलना में बड़ा और भौगोलिक रूप से अधिक विविध है।

प्रधानमंत्री ओली ने चीन की यात्रा से लौटने के बाद लिपुलेख के मुद्दे पर दी सफाई

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन की यात्रा से लौटने के बाद लिपुलेख के मुद्दे पर सफाई दी है।उन्होंने कहा कि चीन भ्रमण के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भारत और चीन के बीच हुए उस व्यापार समझौते के बारे में स्पष्ट रूप से बात की है, जिसमें लिपुलेख की भूमि का उपयोग करके व्यापार करने की बात का उल्लेख है। प्रधानमंत्री ओली ने यह बयान इसलिए दिया है, क्योंकि चीनी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के दौरान लिपुलेख का मुद्दा उठाए जाने पर आशंका व्यक्त करते हुए नेपाल के विपक्ष की ओर से सवाल खड़ा किया गया। प्रधानमंत्री ओली ने आज शुरू हुए पार्टी के विधान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में जोर देकर कहा कि वे विदेशों की यात्रा के दौरान हमेशा अपने स्पष्ट विचार रखते हैं, जिससे राष्ट्र के हितों को लाभ हो।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ औपचारिक वार्ता में मैंने अन्य बातों के अलावा यह स्पष्ट कर दिया है कि लिपुलेख पर भारत और चीन के बीच समझौते का उपयोग दोनों देशों को हमारे क्षेत्र के माध्यम से व्यापार करने की अनुमति देने के लिए नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि यह मामला रिकॉर्डेड है। यह ऑडियो में है, यह वीडियो में है, यह नोट्स में भी है। उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति ने भी कूटनीतिक समाधान की मांग की है, क्योंकि यह भारत और नेपाल के बीच का मामला है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय संप्रभुता को कमजोर नहीं होने देने के लिए चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि वह नेपाल की चिंता को जायज मानते हैं और इसका पूरा समर्थन करते हैं। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि यह भारत और नेपाल के बीच का आंतरिक मामला है और उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश इसे बातचीत के जरिए सुलझा लेंगे।

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के आग्रह को ठुकराया, कहा- नहीं रुकेगा अफगान शरणार्थियों का निर्वासन

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के मौजूदा निर्वासन को निलंबित करने के संयुक्त राष्ट्र के आह्वान को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कठोर रुख अपनाते हुए कहा है कि संघीय सरकार के फैसले में किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं होगा।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने पत्रकारों को बताया कि निर्वासन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इस प्रक्रिया को स्थगित नहीं किया जाएगा। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फ़िलिपो ग्रांडी ने अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में आए विनाशकारी भूकंप का हवाला देते हुए इस्लामाबाद से निर्वासन रोकने का

आग्रह किया था। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने भी पाकिस्तान से निष्कासन में देरी करने की अपील की। इसके जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि निर्वासन तो जारी रहेगा, लेकिन देश कानूनी रूप से प्रवेश करने के इच्छुक अफगानों के लिए उदार वीजा नीति बनाए रखेगा। पाकिस्तान ने बिना दस्तावेज वाले अफगान शरणार्थियों और जिनके अस्थायी निवास परमिट की अवधि समाप्त हो गई है, उनके लिए स्वेच्छा से देश छोड़ने की समय सीमा 1 सितंबर तय की थी। मानवाधिकार समूहों और शरणार्थी अधिवक्ताओं ने पाकिस्तान की सामूहिक निष्कासन योजना की बार-बार आलोचना की है। पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि संयुक्त राष्ट्र की अपीलों की अनदेखी करने से पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में और तनाव पैदा हो सकता है। साथ ही संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के कारण पहले से ही विस्थापित अफगान शरणार्थियों के लिए मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है।

बलोचिस्तान में ईरान सीमा के पास पाकिस्तान के दो सुरक्षाकर्मियों की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के प्रांत बलोचिस्तान में ईरान की सीमा के पास केच जिले के मांड इलाके में हुए एक सशस्त्र हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, यह हमला कोह-पुशात बाजार में हुआ। सशस्त्र हमलावरों ने मोटरसाइकिल सवार सुरक्षाकर्मियों पर घात लगाकर गोलीबारी की।

गोलीबारी में दोनों की मौके पर मौत हो गई।डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, लेवी बलों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई कर इलाके को घेर लिया और शवों को पास के एक चिकित्सा केंद्र में पहुंचाया। मारे गए सुरक्षा कर्मचारियों की पहचान अब्दुल अजीज और

जमील अहमद के रूप में हुई है। हमले के समय दोनों सादे कपड़ों में थे। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, इस हमले की फिलहाल किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

गाजा में इजराइल का हमलाः हमास के ठिकानों पर तबाही, गगनभेदी इमारत ध्वस्त

एजेंसी

गाजा/यरुशलम। इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों को निशाना बनाकर एक बड़ा हवाई हमला किया है। इस हमले में एक गगनभेदी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इसका इस्तेमाल हमास

अपने कमांड सेंटर के तौर पर कर रहा था। इस हमले के बाद पूरे इलाके में तबाही का मंजर देखा गया है। हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। मरने वालों में लड़ाकों के अलावा आम नागरिक भी शामिल हैं। इजराइल ने कहा है कि वह उन ठिकानों को निशाना बना रहा है, जहाँ से हमास उसके नागरिकों पर रॉकेट हमले करता है। इजराइल और हमास के बीच हुई इस झड़प के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। गाजा में रहने वाले लोगों में डर का माहौल है, क्योंकि उन्हें और हमलों की आशंका है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है ताकि हिंसा को और बढ़ने से रोका जा सके।

हिजबुल से द रेजिस्टेंस फ्रंट तक, पाकिस्तान के लोकल टेररिस्ट नैरेटिव की खुली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर मुद्दे को स्थानीय बनाने की कोशिश करता रहा है। पाकिस्तान ने हिजबुल मुजाहिदीन को एक स्थानीय आतंकवादी संगठन के इरादे से बनाया था। हिजबुल मुजाहिदीन के पतन के बाद उसने लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) बनाया। पाकिस्तान कई दशकों से यही चाहता रहा है कि स्थानीय लोग जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल हों। उसकी मंशा इस बात का फायदा उठाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना से बचना था कि स्थानीय लोग कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं और इसमें पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। हालांकि, भारतीय एजेंसियां हमेशा पाकिस्तान के इस झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रही हैं। हाल ही में पहलगाम हमले में भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साफ शब्दों में कहा था कि हमलावर पाकिस्तान से थे और पूरा हमला इस्लामाबाद समर्थित था। अब एक प्रमुख कश्मीरी गैर-सरकारी संगठन, 'सेव यूथ सेव फ्यूचर फाउंडेशन' की एक विस्तृत रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में 60 प्रतिशत अचिह्नित कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 30 प्रतिशत कब्रें स्थानीय आतंकवादियों की हैं। हालांकि, सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि सिर्फ 0.2 प्रतिशत कब्रें (9) नागरिकों की हैं। यह रिपोर्ट दो प्रमुख मुद्दों को सुलझाती है। पहला, कश्मीर में स्थानीय लोगों की तुलना में पाकिस्तानी आतंकी ज्यादा सक्रिय थे। दूसरा, कई लोगों ने नागरिकों की व्यापक हत्याओं के दावों को भी खारिज कर दिया है।

'अनरेवेलिंग द ट्रुथः ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ अनमार्क्ड एंड अनआइडेंटिफाइड ग्रेव्स इन कश्मीर वैली' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2,493 कब्रें विदेशी आतंकवादियों की हैं, जबकि 1,208 स्थानीय लोगों की हैं। 9 कब्रें नागरिकों की हैं, जबकि 70 कब्रें 1947 के युद्ध के कबायली हमलावरों की हैं। पाकिस्तान लंबे समय से यह दिखाने का एजेंडा चला रहा है कि स्थानीय लोग ही आतंकवादी हमले कर रहे हैं। उसने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने गुर्गों के जरिए यह कहानी गढ़ने की भी कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में नागरिकों की सामूहिक हत्याएं हो रही हैं। इन लोगों ने यह भी कहा कि नागरिक मारे जा रहे हैं और इसे अज्ञात कब्रों से जोड़ा गया। हालांकि, रिपोर्ट इस मिथक को तोड़ती है।'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का 'फेक नैरेटिव' अपने चरम पर था। प्रथम फील्ड मार्शल ने दावा किया कि भारत ने ही पाकिस्तान से ऑपरेशन रोकने का अनुरोध किया था। पाकिस्तान ने झूठ फैलाने के लिए आधिकारिक चैनलों और सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों में दहशत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की कार्रवाई को लेकर भ्रम पैदा करना था। पाकिस्तान ने भारत में सिखों को निशाना बनाने की भी कोशिश की, जब उसने झूठा दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान स्थित ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हमला किया था। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि भारत ने अमृतसर पर मिसाइलें दागी थीं। भारत हमेशा से पाकिस्तान के झांसे को बेनकाब करने में कामयाब रहा है, लेकिन ऐसी रिपोर्टों और एनआईए की हालिया जांच का इस्तेमाल नई दिल्ली के दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए किया जाएगा। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों का कहना है कि जिन कब्रों के बारे में पाकिस्तान झूठ बोल रहा है, उनसे जुड़ी यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने इस्लामाबाद को बेनकाब करने में मददगार साबित होगी।

देश का दर्पण न्यूज प्राइवेट लिमिटेड, address- 14 no V ki sikar Road